वर्ष : 34 | अंक : 216 | मुंबई, सोमवार, 13 अक्टूबर 2025 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

BJP-JDU को मिली समान सीटें

एजेंसी । पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए सत्तारूढ़ गठबंधन राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) ने सीट बंटवारे का फॉर्मूला तय कर दिया है। जदयू और भाजपा 101-101 सीटों पर चुनाव लड़ेंगी। वहीं सहयोगी दलों में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) को 29 सीटें, जबकि हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) और राष्ट्रीय लोक मोर्चा (RLM) को 6-6 सीटें दी गई हैं। इस समझौते के बाद जदयू-भाजपा ने साफ कर दिया है कि अब गठबंधन में कोई 'बड़ा भाई' नहीं, बल्कि दोनों 'बराबर के साझेदार' हैं।

NDA ने तय किया नया फॉर्मूला

सहयोगियों पर भारी पड़े चिराग पासवान

सीट बंटवारे में सबसे बड़ा फायदा चिराग पासवान को मिला है। भाजपा पहले उन्हें 22 सीटों से अधिक देने को तैयार नहीं थी, लेकिन अंत तक चिराग अपनी जिद पर अड़े रहे और 29 सीटें पाने में सफल रहे। सूत्रों के मुताबिक, उन्होंने अपनी पसंद की तीन प्रमुख सीटें — हिसुआ, गोविंदगंज और ब्रह्मपुर — भी अपने खाते में शामिल कर ली हैं। हालांकि, अब उनके सामने अपनी "स्ट्राइक रेट" को साबित करने की चुनौती होगी, क्योंकि पिछली बार 135 सीटों पर अकेले लड़ने के बावजूद लोजपा (रामविलास) केवल एक सीट जीत पाई थी।

हम और आरएलएम को बराबर सम्मान, असंतोष खत्म

पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा दोनों को छह-छह सीटें देकर भाजपा-जदयू ने संदेश देने की कोशिश की है कि कोई भी दल गठबंधन में उपेक्षित नहीं रहेगा। सूत्रों के अनुसार, उपेंद्र कुशवाहा को उजियारपुर, महुआ, दिनारा, सासाराम, बाजपट्टी और मधुबनी जैसी सीटें दी जा सकती हैं। मांझी पहले असंतोष में थे और उन्होंने 15 सीटों की मांग की थी, लेकिन दिल्ली में हुई बैठक के बाद वे सहमत हो गए। मांझी ने सोशल मीडिया पर लिखा, "हम आखिरी सांस तक पीएम मोदी के साथ हैं।"

NDA में शक्ति संतुलन और विपक्ष की चुनौती

2020 के मुकाबले इस बार जदयू और भाजपा दोनों ने सीटों की कुर्बानी दी है — जदयू 115 से घटकर 101 पर और भाजपा 110 से 101 पर आ गई है। यह कदम गठबंधन के भीतर शक्ति संतुलन और स्थिरता बनाए रखने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। वहीं, राजद-कांग्रेस महागठबंधन की ओर से अभी तक सीट बंटवारे की घोषणा नहीं हुई है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, एनडीए का यह फॉर्मूला नीतीश कुमार और नरेंद्र मोदी की संयुक्त रणनीति का हिस्सा है, जो बिहार में सत्ता बनाए रखने की कवायद के रूप में देखा जा रहा है।

'नीतीश कुमार को हटाने का अभियान पूरा': पप्पू यादव

बिहार में विधानसभा चुनाव 2025 से पहले एनडीए में सीट बंटवारे को लेकर निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि संजय झा ने अपना मिशन पूरा कर लिया और नीतीश कुमार को सीएम की गद्दी छोड़ने के लिए मजबूर करने का षड्यंत्र पूरा हो गया। एनडीए में सीट बंटवारा तय, बीजेपी और JDU बराबर बीजेपी: 101 सीटें,जेडीयू: 101 सीटें, लोक जनशक्ति पार्टी (चिराग पासवान): 29 सीटें, राष्ट्रीय लोक जनता दल (उपेंद्र कुशवाहा): 6 सीटें हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (जीतनराम मांझी): 6 सीटें। पप्पू यादव ने ट्वीट में चेतावनी दी कि 'अति पिछड़ा और दलित समाज, जागो, बीजेपी भगाओ और अपना अधिकार व सम्मान बचाओ।'

आईपीएस पूरन कुमार की संदिग्ध मौत के मामला

महापंचायत ने डीजीपी को हटाने का 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया

एजेंसी । चंडीगढ़

चंडीगढ़ में सीनियर आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार की संदिग्ध मौत के मामले में महापंचायत ने हरियाणा के डीजीपी शत्रुजीत कपूर को 48 घंटे के भीतर पद से हटाने का अल्टीमेटम दिया है। महापंचायत ने चेतावनी दी कि यदि डीजीपी को नहीं हटाया गया, तो चंडीगढ़ और हरियाणा के सभी वाल्मीकि समाज के सफाई कर्मचारी काम छोड़ देंगे। इस फैसले का मेमोरेंडम गवर्नर गुलाबचंद कटारिया को सौंपा जाएगा।

आईपीएस वाय पूरन कुमार की मौत और परिवार की नाराजगी

7 अक्टूबर को 2001 बैच के आईपीएस अधिकारी वाय पूरन कुमार ने अपने चंडीगढ़ स्थित आवास पर खुदकुशी कर ली थी। उनके पास से बरामद सुसाइड नोट में उन्होंने डीजीपी समेत कई अधिकारियों को अपनी मौत का जिम्मेदार बताया। उनकी पत्नी, आईएएस अमनीत कुमार, विदेश से लौटकर पूरे मामले की जानकारी हासिल कर चुकी हैं। परिवार ने आरोप लगाया कि एफआईआर सही तरीके से दर्ज नहीं की गई और आरोपियों के नाम स्पष्ट रूप से नहीं दिए गए। परिवार न्याय की मांग को लेकर लगातार दबाव बना रहा है।

वाल्मीकि समाज में भारी आक्रोश

वाई पूरन कुमार की मौत के बाद वाल्मीकि समाज में गहरा आक्रोश है। महापंचायत में सहमति बनी कि यदि डीजीपी के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई, तो हरियाणा और चंडीगढ़ में लगभग 5,000 सफाई कर्मचारी काम बंद कर देंगे। सीएम नायब सिंह सैनी ने शनिवार को आश्वासन दिया कि आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और महापंचायत में हंगामा चंडीगढ़ में हुई महापंचायत में कुरुक्षेत्र के पूर्व सांसद राजकुमार सैनी ने विवादित बयान दिया, जिसके बाद माहौल गर्मा गया। समाज के लोगों ने शांति बनाए रखी और हंगामा काबू में आया।

AAP निकालेगी कैंडल मार्च

आईपीएस वाय पूरन कुमार को न्याय दिलाने के लिए आम आदमी पार्टी पंजाब के विभिन्न जिलों में रविवार को कैंडल मार्च निकाल रही है। अमृतसर में मंत्री हरभजन सिंह ईटीओ के नेतृत्व में मार्च होगा। अन्य जिलों में भी आप के नेताओं के नेतृत्व में यह प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा।

डोनाल्ड ट्रंप मध्य पूर्व शांति मिशन पर रवाना

एजेंसी । वाशिंगटन/यरूशलेम

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रविवार को इजराइल और मिस्र के दौरे पर रवाना हो रहे हैं। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य इजराइल-हमास युद्ध में सीजफायर (युद्धविराम) और बंधकों की रिहाई समझौते को अंतिम रूप देना है। सूत्रों के अनुसार, समझौते के तहत 48 बंधकों की रिहाई सोमवार सुबह से शुरू हो सकती है।

ट्रंप पहले इजराइल जाएंगे, जहां वे कनेसेट (इजराइल की संसद) को संबोधित करेंगे। उल्लेखनीय है कि आखिरी बार 2008 में अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश ने कनेसेट में संबोधन दिया था। इसके बाद ट्रंप मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतेह अल-सीसी के साथ शर्म-अल-शेख में एक अंतरराष्ट्रीय शांति सम्मेलन की सह-मेजबानी करेंगे। इस बैठक में 20 से अधिक देशों के नेता भाग लेंगे और गाजा समेत पूरे मध्य पूर्व क्षेत्र में शांति और स्थिरता के संभावित रोडमैप पर चर्चा करेंगे।

दुर्गापुर गैंगरेप से ममता सरकार पर निशाना

ममता बनर्जी के बयान पर बवाल

एजेंसी । बर्धमान

पश्चिम बंगाल के पश्चिम बर्धमान जिले में स्थित दुर्गापुर के एक निजी मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की छात्रा से गैंगरेप की घटना ने पूरे राज्य को झकझोर दिया है। इस वारदात के बाद राज्य की कानून-व्यवस्था और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर फिर से सवाल खड़े हो गए हैं। वहीं, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की यह टिप्पणी कि 'लड़कियों को रात में बाहर नहीं निकलना चाहिए'—राज्य की सियासत में नया तूफान ले आई है। भाजपा समेत विपक्षी दलों ने इसे "संवेदनहीन और शर्मनाक" बताते हुए ममता सरकार पर तीखा हमला बोला है। यह पहली बार नहीं है जब राज्य में इस तरह की भयावह घटना सामने आई हो। अगस्त 2024 में कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज की छात्रा के साथ गैंगरेप और हत्या के मामले ने राज्यभर में उबाल ला दिया था।

क्या हुआ था उस रात?

शुक्रवार रात ओडिशा की रहने वाली दूसरी वर्ष की छात्रा अपनी सहेली के साथ खाने के लिए कॉलेज कैंपस के बाहर गई थी। इसी दौरान तीन अज्ञात युवकों ने उसका फोन छीनकर उसे पास के जंगल में खींच लिया और उसके साथ बलात्कार किया। उन्होंने धमकी दी कि अगर उसने किसी को बताया तो गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। बाद में आरोपियों ने मोबाइल लौटाने के लिए पैसे की मांग भी की। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

भाजपा और महिला आयोग का ममता सरकार पर हमला

घटना के बाद भाजपा नेताओं ने कहा कि बंगाल में कानून-व्यवस्था नाम की कोई चीज़ नहीं बची है। राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य अर्चना मजूमदार ने कहा, 'बलात्कार की घटनाएं इसलिए बढ़ रही हैं क्योंकि अपराधियों को सजा नहीं मिलती। किसी को फांसी पर लटकते नहीं देखा गया है, इसलिए अपराधियों का हौसला बढ़ा हुआ है।'

खबर संक्षेप

ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 3 विकेट से दी शिकस्त

विशाखापत्तनम। आईसीसी महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप 2025 के मैच नंबर-13 में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 3 विकेट से हराया। यह मुकाबला विशाखपत्तनम के एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम में हुआ। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए मंधाना और प्रतीका की फिफ्टी के दम पर 331 रनों का टोटल ऑस्ट्रेलिया को दिया था। इसके जवाब में उतरी ऑस्ट्रेलिया ने इसे 49 ओवर में ही चेज कर लिया। वनडे इतिहास में यह सबसे बड़ा चेज है। भारतीय टीम ने शानदार शुरुआत करते हुए श्रीलंका और पाकिस्तान के खिलाफ जीत हासिल की थी। लेकिन उसे साउथ अफ्रीका के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद अब ऑस्ट्रेलिया से भी उसे हार का सामना करना पड़ा है। दूसरी ओर वर्ल्ड चैम्पियन कंगारू टीम ने न्यूजीलैंड और पाकिस्तान को पराजित किया था, जबकि श्रीलंका के खिलाफ उसका मैच धुल गया था।

हिमाचल के नाग मंदिर में लगी आग

रामपुर। हिमाचल प्रदेश के शिमला स्थित उपमंडल रामपुर की शिंगला पंचायत के शनेरी में करीब ढाई करोड़ रुपए से नवनिर्मित जाहरू नाग मंदिर में लगी आग लग गई। चार मंजिला यह मंदिर पूरी तरह से जल गया। मंदिर की प्रतिष्ठा अगले साल अप्रैल में की जानी थी। घटना रविवार रात करीब 7:00 बजे हुए। नवनिर्मित मंदिर से अचानक आग की लपटे उठने लगी। ग्रामीण एकत्रित हुए और आग बुझाने के प्रयास करने लगे। आग बढ़ती गई। देखते ही देखते पूरा मंदिर आग की चपेट में आ गया। सूचना फायर ब्रिगेड को दी गई। अग्निशमन की टीम मौके पहुंची। देर रात तक आग बुझाने के प्रयास किए गए। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। मंदिर कमेटी के अनुसार करीब ढाई करोड़ का नुकसान हुआ है।

भारत-अफगानिस्तान के साझा बयान पर पाकिस्तान की नाराजगी

एजेंसी । नई दिल्ली

अफगानिस्तान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी अपने सात दिवसीय भारत दौरे पर हैं। इस दौरे का उद्देश्य द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना है, लेकिन भारत और अफगानिस्तान के संयुक्त बयान ने पाकिस्तान को खासा चिढ़ा दिया है।

कश्मीर को भारत का हिस्सा बताना पाकिस्तान को नागवार

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने संयुक्त बयान पर आपत्ति जताते हुए कहा कि जम्मू और कश्मीर को भारत का हिस्सा बताना संबंधित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों और क्षेत्र की कानूनी स्थिति का उल्लंघन है। बयान में कहा गया कि यह कदम कश्मीरियों के संघर्ष और बलिदानों के प्रति असंवेदनशील है।

पाकिस्तान में बयान को लेकर बढ़ा तनाव

अफगानिस्तान में 40 वर्षों के संघर्ष के बाद शांति स्थापित हुई है, लेकिन पाकिस्तान इस साझा बयान से चिढ़ा हुआ है। द्विपक्षीय संबंधों और क्षेत्रीय सुरक्षा पर यह बयान नई राजनीतिक हलचल पैदा कर सकता है।

आतंकवाद और शांति पर दोनों देशों की राय

भारत और अफगानिस्तान ने 10 अक्टूबर को जारी संयुक्त बयान में 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले की निंदा की, जिसमें 26 लोग मारे गए थे। दोनों देशों ने क्षेत्र में शांति, स्थिरता और आपसी विश्वास बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया। अफगान विदेश मंत्री मुत्तकी ने कहा कि आतंकवाद पाकिस्तान की आंतरिक समस्या है। उन्होंने स्पष्ट किया, 'हम समझते हैं कि पाकिस्तान ने गलत किया। इस तरह समस्याएं सुलझती नहीं हैं। हमने चर्चा के लिए दरवाजे खुले रखे हैं। उन्हें अपनी समस्याएं खुद से सुलझानी चाहिए।'

बर्धमान रेलवे स्टेशन पर भगदड़, 12 यात्री घायल

एजेंसी । बर्धमान

पश्चिम बंगाल के बर्धमान रेलवे स्टेशन पर रविवार शाम यात्रियों की भीड़ के कारण भगदड़ मच गई। इस हादसे में 10-12 लोग घायल हुए। घायलों में से 6 को गंभीर चोटें आईं, उन्हें बर्धमान मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती किया गया और उनका इलाज जारी है। सूचना मिलते ही रेलवे की राहत और बचाव टीम तुरंत मौके पर पहुंची। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया और प्राथमिक इलाज शुरू कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि हादसे की जांच शुरू कर दी गई है।

कैसे हुआ हादसा

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार यह घटना तब हुई जब प्लेटफॉर्म 4, 6 और 7 पर लगभग एक ही समय में तीन ट्रेनें खड़ी थीं। ट्रेन पकड़ने की जल्दबाज़ी में यात्री प्लेटफॉर्म 4 और 6 को जोड़ने वाले फुटओवर ब्रिज की ओर दौड़े। संकरी सीढ़ियों पर अचानक भीड़ बढ़ने से अफरा-तफरी मच गई और भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हो गई। कई यात्री गिर गए और भीड़ में दबकर घायल हो गए। सूचना मिलते ही रेलवे की राहत और बचाव टीम तुरंत मौके पर पहुंची। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया और प्राथमिक इलाज शुरू कर दिया गया। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि हादसे की जांच शुरू कर दी गई है और भीड़ प्रबंधन में हुई कमियों की पहचान की जाएगी।

मेडागास्कर में सरकार विरोधी प्रदर्शन

एजेंसी । मेडागास्कर

अफ्रीकी देश मेडागास्कर में जनता ने सरकार के खिलाफ एक बार फिर सड़कों पर उतरकर विरोध जताया है। राष्ट्रपति कार्यालय ने रविवार को दावा किया कि देश में सत्ता पर अवैध और जबरन कब्ज़ा करने की कोशिश चल रही है। विरोध प्रदर्शन पिछले एक महीने से चल रहे हैं और यह अब राष्ट्रपति एंड्री राजोइलिना के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन चुका है।

राजधानी में झड़प और घायल

रविवार को राजधानी एंटानानारिवो में CAPSAT बैरक के पास गोलीबारी हुई। इस झड़प में तीन लोग घायल हुए। चश्मदीदों ने बताया कि झड़प बड़े पैमाने पर नहीं थी। विरोध कर रहे सैनिकों ने दावा किया कि वे अब देश के सुरक्षा अभियानों का नेतृत्व कर रहे हैं और सेना की सभी शाखाओं का समन्वय करेंगे।

प्रदर्शन का राजनीतिक रंग

प्रदर्शन शुरू में पानी और बिजली की कमी को लेकर था, लेकिन अब यह एक बड़ा राजनीतिक आंदोलन बन चुका है। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस और जेंडरमेरी पर अत्यधिक बल प्रयोग का आरोप लगाया है।

संविधान ने भारत को मजबूत बनाया पड़ोसी देश अशांत हैं : CJI गवई

एजेंसी । रत्नागिरी

भारत के मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई ने रविवार को कहा कि संविधान ने देश को मजबूत और एकजुट रखा है, जबकि पड़ोसी देश नागरिक अशांति और उथल-पुथल का सामना कर रहे हैं। उन्होंने यह बातें महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले के मंदनगढ़ तालुका में नए न्यायालय भवन के उद्घाटन अवसर पर कहीं। मुख्य न्यायाधीश ने इस बात पर प्रसन्नता जताई कि नया भवन बाबासाहेब अंबेडकर के पैतृक गांव अंबावडे के पास स्थित है। उन्होंने महाराष्ट्र सरकार को धन्यवाद देते हुए कहा कि ये अदालतें अंबेडकर के सपने को पूरा करेंगी, ताकि अंतिम नागरिक तक शीघ्र न्याय पहुँच सके।

संविधान और राष्ट्रीय एकजुटता पर जोर

सीजेआई गवई ने कहा, 'देश युद्ध और शांति के दौर में भी एकजुट रहा और विकास की राह पर अग्रसर रहा। हमने आंतरिक आपातकाल भी देखा, लेकिन संविधान की बदौलत मजबूत बने रहे। यह डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के संविधान का करिश्मा है, जो हमें उन पड़ोसी देशों से अलग करता है, जो उथल-पुथल और अशांति का सामना कर रहे हैं।' उन्होंने श्रीलंका, बांग्लादेश और हाल ही में नेपाल में हुई नागरिक अशांति का जिक्र करते हुए बताया कि वहां सरकारों में बदलाव, दंगे और आगजनी ने नागरिकों को भारी परेशानी में डाल दिया।

न्यायपालिका और कार्यपालिका का सहयोग जरूरी

सीजेआई ने कहा कि कार्यपालिका और न्यायपालिका के शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत से लोगों को न्याय मिलने की उम्मीद रहती है। न्याय सभी तक पहुंचाने के लिए न्यायपालिका को कार्यपालिका से वित्तीय सहयोग प्राप्त होना आवश्यक है। उन्होंने खुशी जताई कि हाल ही में नासिक, नागपुर, कोल्हापुर और दरियापुर में नए न्यायालय भवनों का उद्घाटन किया गया है।

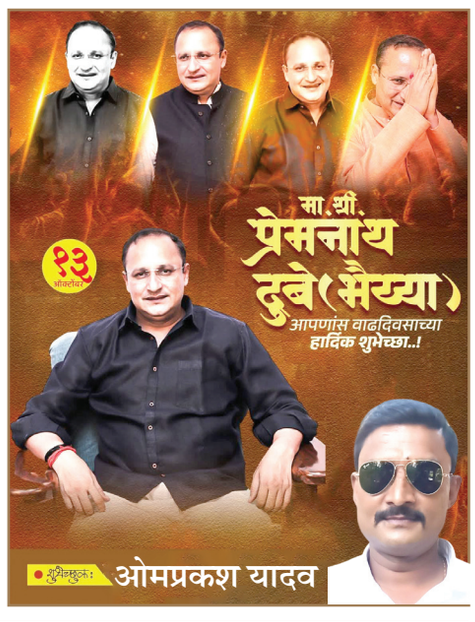

पुराना विवाद सुलझाने के बहाने युवक की हत्या

- 23 वर्षीय युवक की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

तुर्भे सेक्टर-21 इलाके में पुराने विवाद को सुलझाने के बहाने बुलाकर एक युवक पर किए गए जानलेवा हमले में 23 वर्षीय युवक की मौत हो गई है। इस घटना से पूरे इलाके में खलबली मच गई है। मृत युवक का इलाज वाशी स्थित एमजीएम अस्पताल में चल रहा था, जहां उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। घटना के बाद अस्पताल परिसर में मृतक के परिजनों और मित्रों की भारी भीड़ जमा हो गई, जिससे स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है।

एपीएमसी पुलिस स्टेशन में आठ नामजद आरोपियों और तीन अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता और भारतीय न्यास संहिता की कई गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार फिर्यादी आशुतोष मोहन धुर्वे ने दिए बयान में बताया है कि 8 अक्टूबर 2025 की रात लगभग साढ़े बारह बजे आरोपी विकी पाटिल, संकेत लाड उर्फ लाडू, ओंकार वाघमारे उर्फ गण्या, विघ्नेश घरत, शकील, मौला, चारुशिला (विकी पाटिल की पत्नी) और तीन अन्य अज्ञात व्यक्तियों ने मिलकर आशुतोष को 'पुराना विवाद सुलझाने' के बहाने बुलाया। मौके पर पहुंचते ही आरोपियों ने अचानक उन पर हमला कर दिया। क्रिकेट बैट, फाइबर रॉड, पत्थर और सीमेंट की ईंटों से उन्होंने आशुतोष और उनके दोस्तों किशोर वरक तथा विकी कांबळे की बेरहमी से पिटाई की।इस हमले में किशोर वरक के सिर में गंभीर चोटें आईं,घटना के बाद घायल युवकों को वाशी स्थित एमजीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उपचार के दौरान 23 वर्षीय युवक की मौत हो गई। मृतक के परिजनों और मित्रों की भीड़ अस्पताल के बाहर उमड़ी, जिसके चलते पुलिस ने भारी बंदोबस्त तैनात किया है। इस मामले में एपीएमसी पुलिस ने विकी पाटिल, संकेत लाड उर्फ लाडू, ओंकार वाघमारे उर्फ गण्या, विघ्नेश घरत, शकील, मौला, चारुशिला और तीन अन्य अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है जिसमे से पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

तन्हा बुज़ुर्गों के लिए कोपरी पुलिस की दिवाली खास

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

दिवाली त्योहार खुशियों और रोशनी का प्रतीक है, लेकिन शहर में कई बुज़ुर्ग ऐसे भी हैं जो अपने घर पर अकेले इसे मनाते हैं। इस अकेलेपन में, ठाणे कोपरी पुलिस ने मिठाइयों, फूलों और स्नेह के उपहारों के साथ दिवाली का असली संदेश पहुँचाया। कोपरी पुलिस ने ठाणे पुलिस आयुक्त आशुतोष दुंबरे के मार्गदर्शन में 'वरिष्ठ नागरिक सेवा अभियान' चलाया। इसके तहत पुलिस टीम अकेले रहने वाले बुज़ुर्गों के घर जाकर उनकी ज़रूरतें पूछती है और दिवाली पर उन्हें मिठाई और शुभकामनाएँ देती है।

बुज़ुर्गों में खुशियों की लहर

पुलिस की इस पहल से कई बुज़ुर्ग भावुक हो गए। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक निशिकांत विश्वकर ने बताया, 'हमने अपने इलाके में अकेले रहने वाले वरिष्ठ नागरिकों का व्यक्तिगत विवरण दर्ज किया है। अगर उन्हें कोई समस्या होती है, तो पुलिस तुरंत उनके घर पहुँच जाती है। हमारा लक्ष्य है – वरिष्ठ नागरिक सुरक्षित, संतुष्ट और खुश रहें।' ठाणे पूर्व निवासी प्रशांत सिनकर ने कहा, 'कुछ बुज़ुर्ग पिछले 35 सालों से कोपरी में अकेले रह रहे हैं। पुलिस नियमित रूप से हमारे घर आती है और हमारी खोज-खबर लेती है। इस दिवाली, निशिकांत विश्वकर साहब खुद मिठाई लेकर आए, तो दिल भर आया। कोपरी पुलिस अब हमारे लिए परिवार जैसी हो गई है।'

अजित पवार का बड़ा कदम

एनसीपी ने विधायक संग्राम जगताप को भेजा नोटिस

मुस्लिम वेलफेयर एसोसिएशन ने जताया आभार

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

दीवाली के अवसर पर एनसीपी विधायक संग्राम जगताप द्वारा केवल हिंदू दुकानदारों से खरीदारी करने की अपील को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। मामले पर पार्टी प्रमुख और उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि एनसीपी किसी भी सूरत में समाज में फूट डालने वाले बयानों को बर्दाश्त नहीं करेगी।

अजित पवार ने स्पष्ट किया कि विधायक संग्राम जगताप के खिलाफ शो-कॉज नोटिस जारी किया जाएगा और पार्टी अनुशासन के दायरे में रहते हुए आवश्यक कार्रवाई करेगी। उन्होंने कहा कि एनसीपी हमेशा सामाजिक सौहार्द, एकता और सभी धर्मों के सम्मान की नीति पर चलती रही है और आगे भी उसी मार्ग पर चलेगी।

इस बीच, मुस्लिम वेलफेयर एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सलीम सारंग ने अजित पवार के इस कदम का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय साबित करता है कि एनसीपी हमेशा न्याय और समानता के सिद्धांत पर कायम है। समाज में भड़काऊ बयान देने वालों पर सख्त कार्रवाई ही एकता बनाए रखने का रास्ता है। सलीम सारंग ने आगे कहा कि संग्राम जगताप जैसे नेताओं पर बार-बार सख्त कार्रवाई जरूरी है ताकि भविष्य में कोई भी नेता धार्मिक आधार पर लोगों को बांटने का प्रयास न करे। अंत में उन्होंने एनसीपी और उपमुख्यमंत्री अजित पवार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि पार्टी भविष्य में भी सभी समुदायों के साथ निष्पक्षता और समानता सुनिश्चित करेगी।

मनोज रानाडे ने ठाणे जिला परिषद का अतिरिक्त कार्यभार संभाला

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

पालघर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानाडे (बी.ए.एस.) को ठाणे जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे (बी.ए.एस.) के स्थानांतरण के बाद उनका अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। रोहन घुगे को 8 अक्टूबर, 2025 को ठाणे जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के पद से मुक्त किया गया और उन्हें जलगाँव के जिला कलेक्टर के रूप में नियुक्त किया गया। इसके बाद 10 अक्टूबर, 2025 को मनोज रानाडे ने ठाणे जिला परिषद का अतिरिक्त कार्यभार संभाला। मनोज रानाडे ने कहा कि रोहन घुगे के नेतृत्व में ठाणे जिला परिषद ने विकास के कई क्षेत्रों में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। उन्होंने भरोसा जताया कि अब वे नागरिक-उन्मुख, पारदर्शी और प्रौद्योगिकी-आधारित प्रशासन पर विशेष ध्यान देंगे और इस मार्ग पर और अधिक गति से काम करेंगे।

मोदी सरकार ने गरीबों की जमीन अदाणी को दी

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि कल्याण में 450 एकड़ जमीन अदाणी की सीमेंट कंपनी को दी गई और इसके लिए सभी नियमों में बदलाव किया गया। उन्होंने कहा कि यह जमीन पहले आम गरीबों के लिए सुरक्षित थी, लेकिन अब इसे राष्ट्रीय उद्योगपतियों के हित में हस्तांतरित कर दिया गया। सपकाल ने आंदोलन स्थल पर पहुंचकर स्थानीय आंदोलनकारियों का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू और आचार्य विनोबा भावे ने गरीबों को जमीन दिलाने के लिए कानून और भूदान आंदोलन चलाया। लेकिन अब मोदी सरकार गरीबों की जमीन अपने चहेते उद्योगपतियों को सौंप रही है।

कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष एडवोकेट गणेश पाटिल, पूर्व सांसद सुरेश टावरे, रानी अग्रवाल, कल्याण शहर अध्यक्ष सचिन पोटे और उल्हासनगर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रोहित सालों सहित कई पदाधिकारी उपस्थित थे। सपकाल ने कहा कि कांग्रेस स्थानीय लोगों के साथ खड़ी है और भूमि विवाद में न्याय दिलाने के लिए पूरी कोशिश करेगी।

सपकाल का आरोप

भारी भ्रष्टाचार और नियमों में बदलाव

सपकाल ने आरोप लगाया कि मुंबई का अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, नवी मुंबई हवाई अड्डा, धारावी, मदर डेयरी और देवनार जैसी जमीनें भी इसी प्रक्रिया के तहत दी गई हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया में भारी भ्रष्टाचार हुआ, और स्थानीय लोगों की जिंदगी पर संकट बन गया। इसके अलावा, अदाणी कंपनी के लिए पर्यावरण और अन्य नियमों में भी बदलाव किया गया। सपकाल ने कहा कि इस आंदोलन को दबाने के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया है, लेकिन कांग्रेस इसे विधानसभा में भी उठाएगी। उन्होंने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि वह केवल तमाशा देख रही है और जनता के हितों की अनदेखी कर रही है।

अंबरनाथ में सड़क हादसा, 2 युवकों की मौत

डीबीडी संवाददाता । अंबरनाथ

अंबरनाथ में आईटीआई के सामने बीती रात दोपहिया वाहन के स्पीड ब्रेकर से टकराने से दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की छानबीन अंबरनाथ पुलिस स्टेशन की टीम कर रही है।

पुलिस अधिकारी ने रविवार को बताया कि शनिवार देर रात अंबरनाथ में आईटीआई के सामने एक दोपहिया वाहन स्पीडब्रेकर से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इससे दोपहिया वाहन पर सवार दो लोग गंभीर रुप से घायल हो गए जिन्हें तत्काल नजदीकी अस्पताल में पहुंचाया गया लेकिन डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। मृतक युवकों की पहचान पवन हमकारे (23) और प्रणव बोरकले (17) के रुप में की गई है। दोनों युवक अंबरनाथ के मुरलीधर नगर के निवासी हैं।

पालघर हत्या मामले में फरार महिला गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । पालघर

2020 में हुए एक हत्या के मामले में आरोपी महिला को पांच साल से अधिक समय तक फरार रहने के बाद मुंबई से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने इस गिरफ्तारी की जानकारी न्यूज एजेंसी को दी।

प्रारंभिक जांच में पता चला कि आरोपी और पड़ोसी (ठाणे जिले के बदलापुर निवासी) के बीच पैसे के विवाद के कारण यह अपराध हुआ। इसके बाद भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) और 201 (साक्ष्य नष्ट करना) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी।अधिकारी ने बताया कि महिला के फरार रहने के कारण पुलिस ने दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 299 के तहत आरोपपत्र दाखिल किया था, जो फरार आरोपी की अनुपस्थिति में साक्ष्य दर्ज करने की अनुमति देता है।

बल्लाल ने कहा, 'पिछले चार महीनों में हमारी टीम ने आरोपी का पता लगाने के प्रयास तेज़ कर दिए थे। एक विशेष सूचना पर कार्रवाई करते हुए, हमने उसे मुंबई के कांदिवली में पाया और 10 अक्टूबर को गिरफ्तार कर लिया। अब उसे आगे की जांच के लिए अर्नाला पुलिस के हवाले कर दिया गया है।'

2020 से फरार थी आरोपी

सहायक पुलिस आयुक्त (अपराध) मदन बल्लाल ने बताया कि नालासोपारा की रहने वाली डोलरिन अफरीन अहमद खान (27) ने 12 फरवरी, 2020 को पालघर के अर्नाला में प्रदीप दयाशंकर राय (23) की कथित तौर पर गला घोंटकर हत्या की थी। महिला ने हत्या को आत्महत्या का रूप देने की कोशिश भी की थी।

'मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम रोगी की गरिमा हेतु ज़िम्मेदारी है' : न्यायमूर्ति सूर्यकांत शिंदे

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे के जिला एवं सत्र न्यायाधीश सूर्यकांत शिंदे ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम 2017 केवल सरकारी दस्तावेज़ नहीं है, बल्कि मानसिक रोगियों की गरिमा और उनके मानवाधिकारों की रक्षा करने का एक मानवीय दायित्व है।

उन्होंने बताया कि सम्मानपूर्वक जीवन जीने में सक्षम सेवाएँ ही वास्तविक उपचार पद्धति हैं। न्यायमूर्ति शिंदे ने यह बातें विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर ठाणे क्षेत्रीय मनोरोग अस्पताल में आयोजित कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा, 'अधिनियम के सिद्धांतों को व्यवहार में लाना प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी का कर्तव्य है। रोगियों के प्रति करुणा, संवेदनशीलता और सम्मान दिखाने से उपचार प्रभावी होता है।' चिकित्सा अधीक्षक डॉ. नेताजी मुलिक ने कहा कि आज की भागदौड़ भरी ज़िंदगी में अधिकारी-कर्मचारी मानसिक तनाव और थकान का सामना करते हैं। इसलिए, मनोचिकित्सक अब विभिन्न सरकारी कार्यालयों में जाकर मानसिक स्वास्थ्य परामर्श देंगे। उन्होंने टेली-मानस 24×7 मानसिक स्वास्थ्य सेवा के बारे में भी जानकारी दी और नागरिकों से हेल्पलाइन 14416 का उपयोग करने का आग्रह किया।

कार्यक्रम में उपस्थित रहे कई गणमान्य लोग

कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव रवींद्र पजालकर, डॉ. प्राची चिवटे, डॉ. नीलेश सपकाले, डॉ. भुसारे, डॉ. कुसुमा, डॉ. रानाडे, डॉ. ममता अलासपुरकर, प्रधानाचार्य लीना तोंगगांवकर, अधिसेविका श्रीमती कांबले, नर्स, सामाजिक कार्यकर्ता, चिकित्सा अधिकारी और प्रशिक्षु छात्र उपस्थित थे। इस वर्ष के मानसिक स्वास्थ्य दिवस का विषय 'आपदा और उपलब्धता' है। इसका उद्देश्य आपातकालीन स्थितियों में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना और मानसिक स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। 10 अक्टूबर से 10 नवंबर तक चलने वाले मानसिक स्वास्थ्य माह में मूकाभिनय, पोस्टर प्रदर्शनियाँ और व्याख्यान-संवाद सत्र आयोजित किए जाएंगे।

पर्यावरणविद् डॉ. प्रशांत 'भारत उत्कृष्टता प्रतीक' से सम्मानित

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

प्रसिद्ध पर्यावरणविद् और वरिष्ठ पत्रकार डॉ. प्रशांत रेखा रवींद्र सिनकर, जो समाज में पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण और सतत जीवन शैली का संदेश फैलाने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं, को एक और राष्ट्रीय सम्मान मिला है। दिल्ली स्थित जे.जे. एस. संस्थान द्वारा दिया जाने वाला प्रतिष्ठित भारत उत्कृष्टता प्रतीक पुरस्कार हाल ही में डॉ. सिनकर को प्रदान किया गया।

यह पुरस्कार देश भर में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियाँ हासिल करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित करता है। डॉ. प्रशांत सिनकर को यह सम्मान पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, जल प्रबंधन और सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में उनके दीर्घकालिक और प्रभावी योगदान के लिए प्रदान किया गया।

25 वर्षों से भी अधिक समय से, डॉ. सिनकर अपनी पत्रकारिता के माध्यम से पर्यावरण संबंधी मुद्दों को जनता के दिलों तक पहुँचा रहे हैं। उन्होंने समाचार पत्रों, टीवी चैनलों और सोशल मीडिया के माध्यम से कई जागरूकता अभियान चलाए हैं और नागरिकों में 'प्रकृति के प्रति ज़िम्मेदारी' की भावना जगाने का निरंतर प्रयास किया है। उन्हें महाराष्ट्र सरकार द्वारा अंतर्राष्ट्रीय राष्ट्रीय पुरस्कारों से भी सम्मानित किया जा चुका है।

वसई पश्चिम में तीन महत्वपूर्ण विकास कार्यों का भूमिपूजन सम्पन्न

डीबीडी संवाददाता । वसई

वसई विधानसभा क्षेत्र के 'मेन' वार्ड समिति अंतर्गत मर्सी क्षेत्र में आज तीन प्रमुख विकास कार्यों का भूमिपूजन विधायक स्नेहा दुबे पंडित की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इन कार्यों से स्थानीय नागरिकों को सुगम और सुरक्षित आवागमन का लाभ मिलेगा तथा क्षेत्र के समग्र विकास को नई गति मिलेगी।

भूमिपूजन किए गए कार्यों में — जीवनवाड़ी चौराहे से अशोक कोलासो के घर तक सड़क का डामरीकरण, सावरशेतवाड़ी में हेवन पीस बंगला से स्टीवन कोलासो के घर तक सड़क का डामरीकरण, तथा उयादी सावरशेतवाड़ी पर आर.सी.सी. स्लैब की स्थापना शामिल हैं।

इस अवसर पर गांव के प्रमुख नागरिक जेरी मचाडो, जेम्स गोंसाल्वेस, मार्विन मचाडो, रॉबी कोलासो, ओनिल डीकुन्हा, रैडलॉफ कोलासो, साधना कोलासो, एरेना परेरा, मैनवेल मचाडो, सुनीता कोलासो, संजय कोलासो, रोजर कोलासो सहित वरिष्ठ भाजपा नेता शाम भाऊ पाटकर, जिला सचिव नंदकुमार महाजन, वसई शहर मंडल सचिव चेतन वर्षकार, किरण पाटिल, अमित पवार, अनिल राऊत, मयंक शेठ, प्रतीक चौधरी, अशोक मिश्रा एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, अधिकारी, कार्यकर्ता एवं पत्रकार उपस्थित रहे।

इन सभी विकास कार्यों को वसई के नागरिकों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए क्रियान्वित किया जा रहा है, जिससे क्षेत्र के आधारभूत ढांचे में उल्लेखनीय सुधार होने की उम्मीद है।

आदिवासी आरक्षण बचाव रैली को अखिल भारतीय आदिवासी पत्रकार संघ का समर्थन

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

आदिवासी समाज के आरक्षण और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए 14 अक्टूबर 2025 को पालघर में आयोजित होने वाले 'आदिवासी आरक्षण बचाव मोर्चा' को अखिल भारतीय आदिवासी पत्रकार संघ ने अपना पूर्ण समर्थन दिया है। संघ के जिला पदाधिकारियों ने माननीय विधायक को लिखित समर्थन पत्र सौंपकर आंदोलन के साथ एकजुटता व्यक्त की। भारतीय संविधान के शिल्पकार डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर और अन्य संविधान निर्माताओं ने पाँचवीं अनुसूची के तहत आदिवासी समाज को स्वतंत्र और विशिष्ट समाज के रूप में मान्यता दी। उनकी संस्कृति, परंपरा, भाषा और जीवनशैली की सुरक्षा शासन की जिम्मेदारी मानी गई है। हालांकि, हाल के वर्षों में राजनीतिक स्वार्थों और आरक्षण में हस्तक्षेप के कारण आदिवासी समाज में असंतोष और आक्रोश बढ़ा है।

आदिवासी आरक्षण बचाव समिति के अध्यक्ष और विधायक विलास तरे ने कहा कि आदिवासियों के आरक्षण और अधिकारों पर हमला करने वालों के खिलाफ अब निर्णायक लड़ाई का समय आ गया है। यह मोर्चा केवल एक आंदोलन नहीं, बल्कि आदिवासी अस्मिता, परंपरा और अस्तित्व की रक्षा का प्रतीक है।

मोर्चा 14 अक्टूबर को होगा शुरू

इस विशाल जन आक्रोश मोर्चा का आयोजन बिरसा मुंडा चौक (चार रास्ता), बोईसर रोड, पालघर से दोपहर 12 बजे शुरू होगा। इसमें आदिवासी समाज के साथ महिलाएं, युवा, किसान, विद्यार्थी, सामाजिक संगठन और सांस्कृतिक मंडलों के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे।

आंदोलन के प्रमुख नेता और प्रतिनिधि

मोर्चे का आयोजन और नेतृत्व विधायक विलास तरे, पूर्व आदिवासी विकास मंत्री राजेंद्र गावीत, सांसद डॉ. हेमंत सवरा, पूर्व विधायक वनगा, जिला परिषद सदस्य प्रतिभा गुरोडा, सुरेश रिंजड, योगेश गवा, रमेश सवरा, भास्कर दळवी, विलास बेलकर, अशोक ठाकरे, मीना धोदडे, जयेंद्र दुबळा, सुनील धानवा, कृष्णा जाधव, नीता काटकर, विनोद मेढा, मोहन गुहे, विराज गडग, अशोक शिंगाडा, परशुराम चावरा, प्रसाद पर्हाड सहित कई आदिवासी संगठन और ग्राम प्रतिनिधि करेंगे।

कांग्रेस का आरोप

मोदी सरकार ने आरटीआई को बनाया 'कमज़ोर'

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने रविवार को केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि मोदी नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने सूचना के अधिकार (आरटीआई) अधिनियम को सुनियोजित तरीके से कमजोर और शक्तिहीन बनाया है। उन्होंने कहा कि आरटीआई ने शुरुआत में नागरिकों को सशक्त बनाया और भ्रष्टाचार उजागर करने में मदद की, लेकिन अब यह कानून प्रभावित हो रहा है।

सरकार पर गंभीर आरोप

सपकाल ने आरोप लगाया कि सूचना आयुक्तों के पद खाली रखे जा रहे हैं। गोपनीयता के नाम पर सार्वजनिक डेटा साझा करने से इनकार किया जा रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक और निर्वाचन आयोग जैसी संस्थाओं को आरटीआई के दायरे से बाहर रखा गया है। उन्होंने कहा कि नोटबंदी और चुनाव प्रक्रिया से जुड़े तथ्य, जैसे मतदान केंद्रों के सीसीटीवी फुटेज, जनता से छिपाए जा रहे हैं।

कांग्रेस ने आरटीआई अभियान की घोषणा की

सपकाल ने घोषणा की कि कांग्रेस आरटीआई अधिनियम को मजबूत करने और लोगों के सूचना अधिकार बहाल करने के लिए जनजागरूकता अभियान चलाएगी। इसमें कानूनी कार्यशालाएं आयोजित करना और नागरिकों की प्रतिक्रिया एकत्र करना शामिल होगा।

फडणवीस पर जाति-आधारित विभाजन का आरोप

सपकाल ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर ब्रिटिश काल की 'फूट डालो और राज करो' रणनीति अपनाने का आरोप लगाया। उनका कहना था कि फडणवीस समाज में जाति-आधारित विभाजन बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा, 'उनकी राजनीतिक सोच नाथूराम गोडसे की मानसिकता की याद दिलाती है।'

राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे की मुलाकात पर प्रतिक्रिया

सपकाल ने यह भी कहा कि कांग्रेस को राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे की हालिया मुलाकातों पर कोई आपत्ति नहीं है। राज और उद्धव के बीच यह एक सप्ताह में दूसरी मुलाकात थी। उन्होंने कहा कि विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन का निर्णय घटक दलों द्वारा सामूहिक रूप से लिया जाएगा।

शिक्षक पर नाबालिग छात्रा से अश्लीलता का आरोप

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे जिले से एक शर्मनाक मामला सामने आया है। स्वारगेट पुलिस ने एक नाबालिग छात्रा के साथ अश्लील हरकत करने के आरोप में 46 वर्षीय सुरेश दौलत रौंदल को गिरफ्तार किया है। आरोपी स्वारगेट के गौरव राज बिल्डिंग, दत्तनगर, अंबेगांव, कात्रज का निवासी है और इलाके में एक निजी ट्यूशन क्लास चलाता है।

पुलिस के मुताबिक यह घटना गुरुवार, 9 अक्टूबर सुबह 7:45 बजे की है। उस समय छात्रा क्लास में अकेली थी। रौंदल ने कथित तौर पर छात्रा से अश्लील बातें कीं और कहा कि 'ढ़ाई पूरी होने के बाद मैं तुम्हें अपने स्कूल में नौकरी दिलाऊंगा और एक सोने की अंगूठी भी दूंगा।'

परिवार ने तुरंत पुलिस को सूचित किया

छात्रा घबरा गई और उसने तुरंत अपने परिवार को घटना की जानकारी दी। परिजनों की शिकायत के बाद स्वारगेट पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। रौंदल के खिलाफ पॉक्सो एक्ट और छेड़छाड़ की धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अब मामले की पूरी जांच कर रही है और अन्य संभावित पहलुओं की भी पड़ताल कर रही है।

पुणे में सेक्स रैकेट का खुलासा

पुणे। पुणे शहर पुलिस ने दो बांग्लादेशी महिलाओं को अवैध सेक्स रैकेट से बचाया। दोनों महिलाओं को नौकरी का झांसा देकर भारत लाया गया और बाद में उन्हें देह व्यापार के लिए मजबूर किया गया। पहले 22 साल की महिला को कटराज क्षेत्र से सुरक्षित निकाला गया। उसने पुलिस को बताया कि दो साल पहले उसे वेस्ट बंगाल से अवैध तरीके से लाया गया था और पुणे में नौकरी का वादा किया गया था।

दूसरी महिला को भी बचाया गया

पहली महिला की शिकायत के बाद भारती विद्यापीठ पुलिस ने वरिष्ठ इंस्पेक्टर राहुलकुमार खिलारे और सहायक इंस्पेक्टर स्वप्निल पाटिल के मार्गदर्शन में अभियान शुरू किया। जांच में पता चला कि एक और 20 साल की बांग्लादेशी महिला इसी तरह फंसी हुई थी। पुलिस ने अंबेगांव पथर के एक अपार्टमेंट पर छापा मारकर उसे भी सुरक्षित बाहर निकाला।

आरोपी की गिरफ्तारी

पुलिस ने तस्करी में शामिल एक व्यक्ति, राजू पाटिल, निवासी ढांकवाड़ी को गिरफ्तार किया। उनकी पत्नी, जो कथित रूप से सहयोगी मानी जा रही है, अभी फरार है। भारती विद्यापीठ थाना में संबंधित धाराओं और 'Prevention of Immoral Trafficking Act' के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस अब उस नेटवर्क की जांच कर रही है, जिसने महिलाओं को अवैध तरीके से भारत लाने और रैकेटियों के हवाले करने में मदद की। वरिष्ठ इंस्पेक्टर राहुलकुमार खिलारे ने कहा, "इन दोनों महिलाओं को सैलून में नौकरी का झांसा देकर फंसा लिया गया और फिर उन्हें सेक्स रैकेट में धकेला गया। हमारी टीम ने यह कामयाबी सिर्फ 24 घंटे में हासिल की।" उन्होंने यह भी कहा कि महिला तस्करी और अवैध सेक्स रैकेट के खिलाफ पुलिस सतर्क है और समय रहते कार्रवाई कर पीड़ितों को बचा रही है।

राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे में फिर हुई मुलाकात

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र में निकाय चुनावों की तैयारियों के बीच राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे की लगातार चर्चा बनी हुई है। रविवार को भी मनसे प्रमुख राज ठाकरे अपने चचेरे भाई और शिवसेना (UBT) प्रमुख उद्धव ठाकरे से मातोश्री में लगभग एक घंटे तक मिले। यह इस सप्ताह में दोनों की दूसरी मुलाकात थी। राज ठाकरे ने मीडिया से बातचीत में कहा,'मेरी मां मेरे साथ हैं और यह एक पारिवारिक मुलाकात है।' उन्होंने यह स्पष्ट करने की कोशिश की कि यह बैठक दो नेताओं की नहीं बल्कि दो भाइयों की थी। लेकिन मुंबई नगर निगम (BMC) चुनाव के नजदीक आने के कारण इस मुलाकात को राजनीतिक नजरिए से देखा जा रहा है।

बीएमसी चुनाव में गठबंधन की संभावना

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि दोनों भाइयों को अलग-अलग लड़ने से नुकसान होगा। सूत्रों के अनुसार, बीएमसी चुनाव में गठबंधन करने पर बातचीत काफी हद तक पूरी हो चुकी है, और अब केवल औपचारिक ऐलान बाकी है।

2024 की हार के बाद राजनीतिक नजदीकी

2024 के चुनाव में हार के बाद दोनों चचेरे भाई अपने-अपने राजनीतिक भविष्य को देखते हुए एक-दूसरे के करीब आए हैं। अब महाराष्ट्र में आने वाले चुनावों में दोनों दल मिलकर लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। हालांकि अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन इसे जल्द ही सार्वजनिक किया जा सकता है।

मुंबई एयरपोर्ट पर बड़ी कार्रवाई

साढ़े दस किलो सोना जब्त, 13 गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने 'ऑपरेशन गोल्डन स्वीप' के तहत मुंबई एयरपोर्ट पर 10 किलो 448 ग्राम सोना जब्त किया है। इस कार्रवाई में आठ विदेशी सहित कुल 13 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत 12 करोड़ 58 लाख रुपये आंकी गई है।

गिरफ्तारियों में विदेशी और हवाई अड्डे के कर्मचारी शामिल

डीआरआई अधिकारियों के अनुसार, गिरफ्तार आरोपितों में छह श्रीलंकाई, दो बांग्लादेशी, दो हवाई अड्डे के कर्मचारी, दो हैंडलर और मुख्य आरोपी शामिल हैं। यह गिरोह दुबई, सिंगापुर, बैंकॉक और ढाका से सोना मुंबई लाता था और हवाई अड्डे के कर्मचारियों की मदद से इसे बाहर भेजता था। डीआरआई की टीम को सूचना मिली कि अंतरराष्ट्रीय गिरोह एयरपोर्ट कर्मचारियों की मिलीभगत में सोना तस्करी कर रहा है। इसके बाद दो दिन पहले विशेष अभियान चलाया गया। पूछताछ में पता चला कि विदेशी यात्री सोने को हवाई अड्डे के कर्मचारियों को दे रहे थे, जिन्होंने इसे मुख्य आरोपी को सौंपा। सभी आरोपी एयरपोर्ट परिसर से गिरफ्तार किए गए।

गिरफ्तारियों की पहचान और आगे की कार्रवाई

गिरफ्तारियों में संतोष विनोद कनौजिया, राहुल सुभाष जाधव, मोहम्मद रिमशान, अनिल गुरुशांत अरमान, मोहम्मद कमाल हुसैन, मोहम्मद साजिद, महफूज आलम, मोहम्मद राशिद, मोहम्मद इफ्तिखार, सैनुल इनाफ, मोहिदीन रिजलान, सराफुल अनम और एक अन्य शामिल हैं। डीआरआई की गहन छानबीन जारी है और अन्य आरोपितों के गिरफ्तार होने की संभावना जताई जा रही है।

मुंबई और उत्तर प्रदेश में 7.1 करोड़ की ड्रग्स ज़ब्त

9 आरोपी गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र की मुंबई क्राइम ब्रांच के एंटी-नारकोटिक्स सेल ने मुंबई और उत्तर प्रदेश में 6 जगहों पर छापेमारी कर 7 करोड़ 1 लाख रुपये की ड्रग्स ज़ब्त की है। इस मामले में कुल नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है और पुलिस उनसे गहन पूछताछ कर रही है।

क्राइम ब्रांच के एंटी-नारकोटिक्स सेल के पुलिस उपायुक्त नवनाथ धावले ने रविवार को बताया कि उनकी टीम ने गोपनीय सूचना के आधार पर सांताक्रूज़ ईस्ट वकोला में एक नाइजीरियाई व्यक्ति कोकीन बेचते हुए गिरफ्तार किया था। इसके पास से 523 ग्राम और 5 करोड़ 23 लाख रुपये मूल्य की कोकीन ज़ब्त की गई थी। इसके बाद उससे पूछताछ के बाद पुलिस ने कुर्ला सीएसटी, मझगांव, घोड़पदेव, भायखला, बोरीवली से 5 लोगों को 54 लाख 64 हज़ार रुपये मूल्य के 211 ग्राम एमडी के साथ गिरफ्तार किया। बाद में घाटकोपर यूनिट में दर्ज एक मामले के सिलसिले में उत्तर प्रदेश में एक अंतरराज्यीय गिरोह के तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया गया और उनके पास से 1 करोड़ 35 लाख रुपये मूल्य के ड्रग्स जब्त किए गए। पुलिस ने बताया कि इस मामले में की गई छापेमारी में कुल 9 ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया गया और आगे की कार्रवाई जारी है।

मानसून जाते ही बिगड़ने लगी मुंबई की आबोहवा

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई व उपनगरों में मानसून ने इस साल मई महीने में ही हलचल मचाई थी। अब मानसून की वापसी के बाद अक्टूबर हीट ने दस्तक दे दी है। इसके साथ ही आबोहवा भी जहरीली होने लगी है। शहर का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) पर जबरदस्त असर पड़ा है। दिवाली बाद पर्यावरण संतुलन पर विपरीत असर पड़ने की संभावना मौसम वैज्ञानिकों ने जताई है।

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार मुंबई शहर व उपनगरों में अधिकतम पारा 34 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है। लोग तपिश भरी गर्मी से परेशान हैं। आगामी दिनों में अधिकतम तापमान और बढ़ने का

अनुमान है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के डैशबोर्ड के अनुसार रविवार की सुबह में मुंबई का एक्यूआई 156 दर्ज किया गया, जो 'मध्यम' श्रेणी में आता है। देवनार क्षेत्र में एक्यूआई 288 दर्ज किया गया, जो 'खराब' श्रेणी में आता है। मुंबई शहर के 24 एक्यूआई निगरानी केंद्रों में से 21 में 'मध्यम' एक्यूआई दर्ज किया गया, दो स्थानों पर 'संतोषजनक' और एक स्थान पर 'खराब' एक्यूआई दर्ज किया गया। इस साल 10 अक्टूबर को मानसून की विदाई के बाद से ही मुंबई की वायु गुणवत्ता लगातार गिर रही है। इस महीने 1 से 9 तारीख तक एक्यूआई 100 से नीचे था, जो 'संतोषजनक' श्रेणी में आता है। 10 अक्टूबर को एक्यूआई 134 दर्ज हुआ, और अगले दिन यह बढ़कर 152 हो गया। जलवायु विशेषज्ञों और वायुमंडलीय वैज्ञानिकों का कहना है कि आने वाले दिनों में मुंबई का एक्यूआई और भी खराब हो सकता है।

राष्ट्रीय उन्नत विज्ञान संस्थान (एनाईएएस) के चेयर प्रोफेसर डॉ. गुफरान बेग ने बताया कि 'इस वर्ष मानसून की वापसी के तुरंत बाद शहर का एक्यूआई बिगड़ना शुरू हो गया है। साल 2021 की सर्दियों में भी ऐसा ही हुआ था जब भारत के पश्चिमी तट पर हवाएं बहुत धीमी हो गई थीं। इस साल अक्टूबर के अंत तक हवा की दिशा और गति में कमी आने की संभावना है। इससे नवंबर महीने में मुंबई की एक्यूआई बिगड़ सकती है।

पूर्व सैनिक के बेटे का सुसाइड मामला

राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में रैगिंग का गंभीर आरोप

पुणे। खडकवासला स्थित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (NDA) में एक 18 वर्षीय कैडेट अंतरिक्ष कुमार सिंह की संदिग्ध मौत ने बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है। लखनऊ के रहने वाले पहले टर्म के इस कैडेट को 10 अक्टूबर 2025, शुक्रवार को अपने हॉस्टल कमरे में मृत पाया गया। मृतक के परिवार ने सीधे रैगिंग का आरोप लगाया है। सुबह के नियमित शारीरिक प्रशिक्षण के लिए अंतरिक्ष की गैरहाजिरी पर, उसके साथियों ने उसे ढूंढना शुरू किया। तब वह अपने कमरे में बेडशीट से लटका हुआ मिला। उसे तुरंत खडकवासला सैन्य अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित किया। उत्तम नगर पुलिस ने घटना को आकस्मिक मृत्यु (Accidental Death Report) के रूप में दर्ज किया है। कोई सुसाइड नोट न मिलने के कारण मौत का स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है, लेकिन प्रारंभिक जांच में आत्महत्या की आशंका जताई गई है।

परिवार ने रैगिंग का लगाया आरोप

अंतरिक्ष कुमार सिंह, एक पूर्व सैनिक के बेटे, वायु सेना में अफसर बनने का सपना लेकर NDA में दाखिल हुआ था। परिवार ने आरोप लगाया कि पिछले कुछ दिनों से सीनियर कैडेट्स द्वारा उसे लगातार परेशान किया जा रहा था। परिवार ने कहा हमने अकादमी के अधिकारियों को यह शिकायत दी थी, लेकिन उन्होंने इसे नजरअंदाज किया। यह उत्पीड़न असहनीय था, जिसके कारण उसने यह कदम उठाया। यह रैगिंग का मामला है और हमें न्याय चाहिए।

पुलिस और NDA प्रशासन की प्रतिक्रिया

पुणे पुलिस ने कहा कि विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट और सभी पक्षों की जांच के बाद ही मौत के असली कारण का खुलासा किया जाएगा। रैगिंग के आरोप की फिलहाल पुष्टि नहीं हुई है। एनडीए प्रशासन ने इस दुखद घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है और सभी सुरक्षा और नियमों की समीक्षा का आश्वासन दिया है।

महाविकास आघाड़ी में चुनाव आयोग बैठक को लेकर मतभेद

आज होगा प्रतिनिधिमंडल तय

मुंबई। महाराष्ट्र में निकाय चुनावों को निष्पक्ष और पारदर्शी कराने के मुद्दे पर महाविकास आघाड़ी के विपक्षी दलों के बीच मतभेद पैदा हो गए हैं। मंगलवार को चुनाव आयोग के अधिकारियों से मिलने के लिए विपक्ष का प्रतिनिधिमंडल तैयार किया जाना है, लेकिन इसमें कौन शामिल होगा, इस पर अभी तक सहमति नहीं बनी है।

विपक्ष में मतभेद का कारण

मनसे प्रमुख राज ठाकरे को लेकर विपक्ष के भीतर असमंजस है। बैठक में शामिल होने वाले नेताओं की सूची सोमवार को होने वाली विपक्षी दलों की बैठक में तय की जाएगी। फिलहाल यह तय है कि शिवसेना (ठाकरे गुट) और मनसे के नेता बैठक में भाग लेंगे।

प्रतिनिधिमंडल और प्रमुख नेताओं की भागीदारी

चुनाव आयोग से मिलने का नेतृत्व एमएलसी अनिल परब करेंगे। बैठक में शामिल होने की घोषणा ठाकरे गुट के सांसद संजय राउत ने की। उनके अनुसार, एनसीपी प्रमुख शरद पवार, शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल और मनसे प्रमुख राज ठाकरे बैठक में मौजूद रहेंगे। सत्ता पक्ष की ओर से इस बैठक में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई गई है। महाविकास आघाड़ी के नेताओं का कहना है कि सोमवार को होने वाली महत्वपूर्ण बैठक में तय होगा कि प्रतिनिधिमंडल में किस पार्टी का कौन नेता शामिल होगा।

संपादकीय

सुरक्षा और संवेदनशीलता

दुर्गापुर की यह घटना केवल एक छात्रा के साथ हुए अत्याचार की नहीं, बल्कि पूरे समाज और व्यवस्था की असफलता का प्रतीक है। जब किसी मुख्यमंत्री को यह कहना पड़े कि "रात में लड़कियों को बेवजह बाहर नहीं जाना चाहिए," तो यह बयान केवल एक सलाह नहीं, बल्कि इस बात का संकेत है कि हमारी व्यवस्था नागरिकों को सुरक्षा का भरोसा देने में कमजोर पड़ गई है। किसी लड़की का रात में बाहर जाना कोई गलती नहीं है, यह उसका अधिकार है। गलती उन लोगों की है जो समाज में डर और असुरक्षा का माहौल पैदा करते हैं। महिलाओं की सुरक्षा का दायित्व उनके ऊपर नहीं, बल्कि समाज और प्रशासन दोनों पर है। शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका यहां बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है। जब कोई छात्रा हॉस्टल या परिसर में रहती है, तो संस्थान की यह जिम्मेदारी बनती है कि उसकी सुरक्षा पुख्ता की जाए। सीसीटीवी कैमरे, पर्याप्त रोशनी, प्रशिक्षित सुरक्षा गार्ड, और सख्त एंट्री-एग्जिट नियम सिर्फ दिखावे के लिए नहीं, बल्कि वास्तविक रूप से काम करने के लिए होने चाहिए। सुरक्षा की व्यवस्था तभी सार्थक है जब वह कागजों से निकलकर ज़मीनी हकीकत में उतरती है। इसके साथ ही, छात्रों और स्टाफ के लिए नियमित सुरक्षा प्रशिक्षण और संवेदनशीलता कार्यशालाएँ भी आवश्यक हैं, ताकि संस्थान केवल शिक्षा का केंद्र न रहकर एक सुरक्षित वातावरण का प्रतीक भी बने। पुलिस और न्यायिक तंत्र की जिम्मेदारी भी उतनी ही बड़ी है। अपराध होने के बाद तत्परता, पारदर्शिता और निष्पक्षता से कार्रवाई करना जरूरी है। केवल "सख्त कदम उठाए जाएंगे" जैसी घोषणाओं से न्याय नहीं होता। असली न्याय तब होता है जब जांच निष्पक्ष और समयबद्ध हो, जब अभियुक्तों को कड़ी सजा मिले और जब पीड़िता और उसके परिवार को सुरक्षा, संवेदना और समर्थन मिले। हर बार घटना के बाद शोक और निंदा के बयान तो आते हैं, लेकिन सुधार के कदम बहुत धीरे-धीरे उठाए जाते हैं। यह प्रवृत्ति बदलनी होगी। यह घटना हमारे सामाजिक दृष्टिकोण पर भी सवाल खड़ा करती है। तकनीक और शिक्षा में प्रगति के बावजूद हमारी मानसिकता अब भी पितृसत्तात्मक और संकीर्ण बनी हुई है। समाज अपराधियों को दोष देने के बजाय अक्सर पीड़िता की गलती तलाशने में लग जाता है। यह दृष्टिकोण न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि अपराधियों को परोक्ष रूप से प्रोत्साहित करता है। हमें अपने बच्चों—खासकर बेटों—को यह सिखाना होगा कि सम्मान, सहमति और संवेदनशीलता ही सभ्यता के वास्तविक मापदंड हैं। मीडिया और समाज दोनों की जिम्मेदारी है कि वे ऐसी घटनाओं पर सनसनी नहीं, संवेदना दिखाएँ। मीडिया को चाहिए कि वह तथ्यों पर आधारित, मर्यादित और जिम्मेदार रिपोर्टिंग करे। समाज को चाहिए कि वह घटनाओं के बाद केवल गुस्सा न दिखाए, बल्कि जागरूकता फैलाए और स्थानीय स्तर पर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय भूमिका निभाए। तकनीक भी इसमें सहायक हो सकती है—जैसे मोबाइल अलर्ट सिस्टम, हेल्पलाइन, पैनिक बटन, और सीसीटीवी निगरानी—लेकिन यह तभी प्रभावी हैं जब इनके रखरखाव और निगरानी की जवाबदेही तय हो। तकनीक केवल साधन है, समाधान नहीं। समाधान तभी संभव है जब प्रशासनिक इच्छाशक्ति और सामाजिक चेतना साथ आएं। ममता बनर्जी का "जीरो टॉलरेंस" संदेश सही दिशा में एक कदम है, लेकिन इसे केवल बयानबाजी तक सीमित नहीं रहना चाहिए। जरूरत है ठोस कार्रवाई, पारदर्शी जांच और त्वरित न्याय की। यह घटना हमें यह भी याद दिलाती है कि महिला सुरक्षा कोई सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि सामाजिक मूल्य है। जब तक समाज स्वयं अपराधी मानसिकता के विरुद्ध खड़ा नहीं होगा, तब तक कोई भी कानून, नारा या अभियान पर्याप्त नहीं होगा। महिलाओं की सुरक्षा तभी सुनिश्चित होगी जब समाज "डर" के बजाय "सम्मान" और "संवेदनशीलता" का माहौल बनाएगा। जब महिला को अपने अधिकार का उपयोग करने के लिए सफाई नहीं देनी पड़ेगी, तभी कहा जा सकेगा कि हम सचमुच एक सुरक्षित, समान और सभ्य समाज की ओर बढ़ रहे हैं।

शख्सियत | अशोक कुमार

हिंदी सिनेमा के दादामुनि

अशोक कुमार का जन्म 13 अक्टूबर 1911, भागलपुर – निधन 10 दिसंबर 2001, मुंबई) हिन्दी सिनेमा के एक प्रतिष्ठित और बहुआयामी अभिनेता थे। उनका असली नाम कुमुद कुमार गांगुली था। उन्हें अपने करियर में "दादामुनि" के नाम से जाना जाता था। भारतीय सिनेमा में उनके योगदान को देखते हुए भारत सरकार ने 1999 में उन्हें पद्म भूषण से सम्मानित किया।

अशोक कुमार का जन्म एक मध्यम वर्गीय बंगाली परिवार में हुआ था। उनके पिता कुंजलाल गांगुली पेशे से वकील थे। अशोक कुमार ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा मध्यप्रदेश के खंडवा शहर में प्राप्त की और बाद में इलाहाबाद विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री ली। विश्वविद्यालय में उनकी मित्रता शशधर मुखर्जी से हुई, जो बाद में उनके बहनोई भी बने। अभिनय की ओर उनकी रुचि बचपन से ही थी, लेकिन शुरुआत में उनका उद्देश्य निर्देशक बनने का था। 1934 में न्यू थिएटर में लेबोरेट्री असिस्टेंट के रूप में कार्य करते समय उनके बहनोई शशधर मुखर्जी ने उन्हें बंबई टॉकीज में लाने का अवसर दिया। 1936 में फिल्म जीवन नैया में उन्होंने बतौर अभिनेता पदार्पण किया। इसके बाद 1937 में प्रदर्शित अछूत कन्या में उनके अभिनय को व्यापक सराहना मिली। इस फिल्म में उन्होंने एक ब्राह्मण युवक की भूमिका निभाई, जो एक अछूत लड़की से प्रेम करता है। दर्शकों ने सामाजिक विषयों पर आधारित उनकी भूमिका को पसंद किया और यह फिल्म उनकी पहचान बनाने में महत्वपूर्ण साबित हुई। इसके बाद अशोक कुमार ने देविका रानी और लीला चिटनिश जैसे कलाकारों के साथ कई फिल्मों में काम किया, जैसे इज्जत (1937), सावित्री (1938), निर्मला (1938), कंगन (1939), बंधन (1940) और झूला (1941)। 1943 में प्रदर्शित फिल्म किस्मत उनके करियर का महत्वपूर्ण मोड़ रही। इस फिल्म में उन्होंने पारंपरिक नायक की छवि से हटकर एंटी हीरो की भूमिका निभाई। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़े और कोलकाता के चित्रा सिनेमा हॉल में लगभग चार वर्ष तक लगातार चली। इसी वर्ष बंबई टॉकीज के मालिक हिमांशु राय की मृत्यु के बाद अशोक कुमार फिल्मिस्तान स्टूडियोज चले गए। 1947 में देविका रानी के बंबई टॉकीज छोड़ने के बाद उन्होंने बतौर प्रोडक्शन चीफ कई फिल्मों का निर्माण किया, जिसमें महल (1949) प्रमुख है। इस फिल्म की सफलता ने अभिनेत्री मधुबाला और पार्श्वगायिका लता मंगेशकर को भी प्रसिद्धि दिलाई। 1950 के दशक में उन्होंने बंबई टॉकीज से अलग होकर अपनी प्रोडक्शन कंपनी शुरू की और जूपिटर थिएटर भी खरीदा। उन्होंने अपनी कंपनी के तहत समाज और परिणीता जैसी फिल्में बनाईं। हालांकि ये फिल्में बॉक्स ऑफिस पर अपेक्षित सफलता नहीं प्राप्त कर पाईं और कुछ वर्षों बाद उन्होंने अपने निर्माण कार्य को बंद कर दिया। 1963 में उन्होंने निर्देशक बिमल राय के साथ फिर से काम किया और बंदिनी फिल्म में अपनी शानदार अभिनय क्षमता का प्रदर्शन किया। अशोक कुमार ने अपने करियर में चरित्र अभिनेता और खलनायक की भूमिकाएँ निभाकर अभिनय में विविधता लाई। 1967 में प्रदर्शित फिल्म ज्वैलथीफ और 1968 की आशीर्वाद उनके अभिनय के उल्लेखनीय उदाहरण हैं। आशीर्वाद में उनके अभिनय के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला। इसी फिल्म में उनका गाया गीत "रेल गाड़ी-रेल गाड़ी" बच्चों में अत्यंत लोकप्रिय हुआ।

जयोस्तुते

भाग-42

वनवासी कल्याण आश्रम

जिसने हिंदू माता-पिता के घर जन्म लिया, वह हिंदू ही होता है। इसलिए हजारों वर्षों से चली आ रही सनातन संस्कृति में धर्मांतरण का कोई इतिहास नहीं है। इसके विपरीत अब्राहमिक धर्मों यानी इस्लाम और ईसाई धर्म में धर्मांतरण को अत्यंत महत्वपूर्ण माना गया है। इन धर्मों के धर्मगुरु साम, दाम, दंड, भेद जैसे सभी उपाय अपनाकर दूसरों को अपने धर्म में लाना ही अपना जीवन-ध्येय समझते हैं।

मूल लेख : अवधूत वाघ

(मुंबई के प्रथम आरएसएस संघचालक स्व. दादा राव नाईक की महान विरासत को जारी रखने और युवावस्था में आरएसएस और एबीबीपी से जुड़कर गर्व महसूस करनेवाले सारस्वत बैंक के पूर्व निदेशक अवधूत वाघ महाराष्ट्र भाजपा के राज्य प्रवक्ता हैं। वीजेटीआई से 1981 बैच के इंजीनियरिंग स्नातक और जमनालाल बजाज संस्थान से 1987 बैच के वित्तीय प्रबंधन में परा-स्नातक अवधूत वाघ एक शिक्षाविद् होने के साथ-साथ प्रखर समाजसेवी हैं। जल संसाधन क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करनेवाले चार्टर्ड इंजीनियर वाघ को भारत में पेट्रोलियम रिफाइनरियों में वीओसी संग्रह और निष्कासन प्रणाली के लिए आयात विकल्प प्रौद्योगिकी को डिजाइन करने का श्रेय जाता है। मंझे हुए कबड्डी खिलाड़ी और कवि-लेखक अवधूत वाघ ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर सिलसिलेवार ब्लॉग लिखकर भ्रांतियों को ध्वस्त करने और तथ्यों को सरल तरीके से सामने लाने का काम किया है।)

मुस्लिम आक्रमणकारियों ने अत्यंत क्रूरता से अत्याचार और बलात्कार करके करोड़ों हिंदुओं का बलपूर्वक धर्मांतरण किया। ईसाई मिशनरियों ने भी ऐसा ही किया, लेकिन वे धोखा देकर, लालच देकर, लोगों को भ्रमित करके आज भी धर्मांतरण कर रहे हैं। अनाड़ी पुर्तगालियों ने गोवा, दीव, दमन और वसई में हिंदुओं का अत्यंत क्रूरता से धर्मांतरण किया- यह इतिहास है। स्वतंत्र भारत में भी विदेशों से धन लेकर पलने वाले चर्च गरीब आदिवासियों और दलितों को पैसे का लालच देकर धर्मांतरण करवा रहे हैं। आदिवासी समाज की सरलता, गरीबी और अज्ञानता का लाभ उठाकर यह प्रक्रिया आज भी तेजी से चल रही है। पूर्वोत्तर भारत में चर्च ने लगभग 95% हिंदुओं का धर्मांतरण कर दिया है।

ईसाई मिशनरियों को इस कार्य में नास्तिकों और भौतिकवादी लोगों का भी भरपूर समर्थन मिला। आदिवासी क्षेत्रों, विशेषकर घने जंगलों में माओवादी गतिविधियां चलती हैं। ईसाई मिशनरियों ने इन माओवादियों को ढाल के रूप में इस्तेमाल किया- उन्हें पैसे, हथियार और सामग्री देकर, और उनके नाम पर अपनी पहचान छिपाकर, उन्होंने भोले-भाले आदिवासियों को बहलाकर, भ्रमित करके, लालच देकर धर्मांतरण किया। जहां जंगल है, वहां आदिवासी हैं; जहां आदिवासी हैं, वहां माओवादी हैं; और वहीं ईसाई मिशनरी भी सक्रिय हैं- और वहीं धर्मांतरण सबसे तेज गति से हो रहा है। यह कोई संयोग नहीं है।

सनातन धर्म विरोधी कांग्रेस ने भी धर्मांतरण के इस खेल को जानबूझकर अनदेखा किया। बल्कि, मदर टेरेसा जैसी एक मिशनरी महिला को उनके धर्मांतरण कार्यों के लिए 'भारत रत्न' देकर कांग्रेस सरकार ने भारत में धर्मांतरण को अप्रत्यक्ष रूप से प्रोत्साहित ही किया।

दूसरी सहस्राब्दी के समापन के बाद कैथोलिक पादरी यानी पोप ने एक संदेश में कहा कि 'पहली सहस्राब्दी यूरोप को, दूसरी सहस्राब्दी अफ्रीका को, और तीसरी सहस्राब्दी पूरे एशिया को ईसाई बनाने की होगी।' इससे स्पष्ट है कि मिशनरियों की योजना पूरे एशिया को ईसाई बनाने की है, और वे इसे खुलेआम स्वीकार भी कर चुके हैं।

सैकड़ों वर्षों तक भारत पर शक, कुषाण, मंगोल, अफगान, मुगल, अंग्रेज, डच, फ्रेंच, पुर्तगाली आक्रमणकारियों ने केवल लूटपाट की। इसलिए स्वतंत्रता के बाद यह देश पूरी तरह बर्बाद हो गया था। ऐसी स्थिति में धन के अभाव में आदिवासी क्षेत्रों में सरकार भी सेवा-सुविधा नहीं उपलब्ध करा पा रही थी। दवाएं तो दूर की बात हैं, यहां तक कि भोजन नहीं होने के कारण आदिवासी भुखमरी का शिकार हो जाते थे। उस समय मिशनरियों ने सिर्फ एक किलो चावल देकर भी धर्मांतरण करवा दिया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कुछ वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने जब यह परिस्थिति देखी, तो उन्हें लगा कि आदिवासी क्षेत्रों में जाकर इस धर्मांतरण को रोकने की आवश्यकता है। मध्य प्रदेश के जशपुर क्षेत्र में सरकारी अधिकारी के रूप में कार्यरत बालासाहेब देशपांडे ने गांव-गांव में पादरियों के आतंक को समाप्त कर वनवासी बंधुओं को संगठित करने का कार्य शुरू किया। 1952 में अमृतलाल विठ्ठलदास उर्फ ठक्कर बाप्पा की कल्पना और 'वनयोगी' रामकांत केशव और बालासाहेब देशपांडे के नेतृत्व में 'नगरवासी, ग्रामवासी, वनवासी, हम सब भारतवासी' के उद्घोष के साथ वनवासी कल्याण आश्रम की स्थापना की गई।

मध्य प्रांत सरकार ने न्यायाधीश भवानीशंकर नियोगी की अध्यक्षता में नियोगी आयोग का गठन किया और इस आयोग की ऐतिहासिक रिपोर्ट ने ईसाई मिशनरियों का असली चेहरा उजागर कर दिया कि वे सेवा के नाम पर कैसे धर्मांतरण करते हैं। इतना ही नहीं, जब पोप रांची हवाई अड्डे पर धर्मांतरण के उद्देश्य से आए थे, तब 'पोप गो बैक' आंदोलन भी आश्रम के कार्यों में एक मील का पत्थर साबित हुआ। बालासाहेब देशपांडे ने अपनी दूरदर्शिता से संयुक्त राष्ट्र के माध्यम से इस भेदभावपूर्ण विचार को फैलाने के कुप्रयास को भांप लिया कि 'केवल आदिवासी ही भारत के मूलनिवासी हैं' और उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिंह राव को एक ज्ञापन सौंपकर कहा कि 'भारत के सभी लोग मूलनिवासी हैं।' भारत ने संयुक्त राष्ट्र में आश्रम की भूमिका प्रस्तुत की।

सामाजिक समरसता के माध्यम से शहरी और आदिवासी समाज के बीच की दूरी को कम करना, आदिवासियों को औपचारिक व अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से शिक्षित करना,स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराना, पारंपरिक खेलों में आदिवासियों की प्रतिभा को प्रोत्साहन देने के लिए विविध प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराना, पारंपरिक आजीविका क्षेत्रों में कौशल विकास कर उनकी आर्थिक उन्नति सुनिश्चित करना, उन्हें उनके संवैधानिक अधिकारों और सरकारी योजनाओं की जानकारी देकर आत्मनिर्भर बनाना, महिलाओं को सशक्त बनाना वनवासी कल्याण आश्रम के उद्देश्य हैं। आदिवासी क्षेत्रों में प्रत्यक्ष जाकर, उनकी समस्याओं को समझकर उन्हें उनके हिंदू धर्म और संस्कृति की जानकारी देना, पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली आ रही अपनी संस्कृति से उन्हें पुनः परिचित कराना, पर्याप्त भोजन और औषधियां उपलब्ध कराना, बच्चों को आधुनिक शिक्षा से जोड़ना, स्कूल और आश्रमशालाएं शुरू करना, कुपोषण से जूझ रहे बच्चों को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराना और बाल मृत्यु दर पर अंकुश लगाना, जहां पेयजल का संकट है, वहां बोरवेल और कुएं बनवाकर पीने का स्वच्छ जल उपलब्ध कराना, मंदिर निर्माण, आदिवासी समाज में सामूहिक विवाह का आयोजन कराना जैसे अनेक कार्य आश्रम द्वारा किए जाते हैं। पिछले 73 वर्षों से आश्रम आदिवासी क्षेत्रों में निरंतर कार्यरत है। आज वहां के आदिवासी युवक-युवतियां स्वयं आश्रम के काम में जुट चुके हैं। इनमें से कई डॉक्टर, इंजीनियर, आर्किटेक्ट, चार्टर्ड अकाउंटेंट, सरपंच, पार्षद, विधायक, सांसद और यहां तक कि मंत्री भी बन चुके हैं और अपने तरीके से योगदान भी दे रहे हैं। वनवासी कल्याण आश्रम देश भर के 63,926 गांवों में 21,829 परियोजनाओं का संचालन कर रहा है। इससे 12,37,197 आदिवासी लाभान्वित हुए हैं। इन लाभार्थियों में 1,11,323 छात्र शामिल हैं। 10,82,839 आदिवासी भाई-बहनों को चिकित्सा सेवाओं का लाभ मिला है। आश्रम 216 शिक्षा केंद्रों का संचालन कर रहा है, जिनमें 157 प्राथमिक और 56 माध्यमिक विद्यालय शामिल हैं। इन विद्यालयों में 32,744 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं। इन छात्रों के आवास की व्यवस्था के लिए आश्रम की ओर से लड़कों के लिए 175 और लड़कियों के लिए 52 छात्रावास बनाए गए हैं, जिनमें रहकर 5,756 छात्र और 2,207 छात्राएं पढ़ाई करते हैं। आज तक आश्रम ने अनेक मंदिरों का निर्माण किया गया है और आदिवासी समाज में प्रवचनकर्ता, कथाकार, कीर्तनकार तैयार करने के लिए प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।

आश्रम की निस्वार्थ सेवा ने ईसाई मिशनरियों के धर्मांतरण अभियान पर अंकुश लगाया है। इतना ही नहीं, बल्कि धर्म परिवर्तन कर चुके अनेकों आदिवासी अब घरवापसी भी कर रहे हैं। इसलिए ईसाई मिशानरी आश्रम संघ और भाजपा का कड़ा विरोध कर रहे हैं। भाजपा ने अपने 10 वर्षों के शासन में आदिवासी क्षेत्रों में जो काम किया है, वह कांग्रेस ने अपनी 50 वर्षों की सत्ता में भी नहीं किया। यदि मिशनरियों को वास्तव में आदिवासियों के कल्याण में रुचि होती, तो उन्हें भाजपा के अच्छे कार्यों का समर्थन करना चाहिए था। लेकिन आदिवासी भाइयों के हितों के विरुद्ध निर्णय लेनेवाली कांग्रेस का समर्थन करनेवाली ये ईसाई मिशनरियां वास्तव में आदिवासियों की हितैषी नहीं हैं, उन्हें केवल आदिवासियों की गरीबी-लाचारी का फायदा उठाकर उनका धर्म परिवर्तन करने में रुचि है। इससे स्पष्ट हो जाता है कि आज भी 'वनवासी कल्याण आश्रम' की कितनी जरूरत है।

क्रमशः

अनुसर्जन : श्वेता शालिनी

(श्री हरि के आनंद-अश्रु से उपजी पापनाशिनी सरिता 'मां सरयू' की सेवा में समर्पित अपने परिवार की शुचिता और सेवा की विरासत को बखूबी सहेजनेवाली श्वेता शालिनी महाराष्ट्र भाजपा की प्रवक्ता और सोशल मीडिया प्रकोष्ठ की प्रभारी हैं। इससे पूर्व सचिव और भाजपा उत्तर भारतीय प्रकोष्ठ की महाराष्ट्र प्रभारी की जिम्मेदारियों का उल्लेखनीय निर्वाह कर चुकी श्वेता शालिनी इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट की उच्च शिक्षा प्राप्त करने के साथ-साथ एक सफल उद्यमी हैं। महाराष्ट्र सरकार गठित सेक्शन 8 कंपनी वीएसटीएफ की पूर्व कार्यकारी निदेशक भी रह चुकी हैं। एक प्रखर वक्ता के रूप में विशेष मुकाम रखनेवाली श्वेता शालिनी दर्शनशास्त्र, जीवन-शास्त्र और अर्थशास्त्र जैसे गूढ़ विषयों पर लिखनेवाली एक प्रतिष्ठित स्तंभकार होने के साथ-साथ युवाओं, महिलाओं और विशेषकर ग्रामीणों के उत्थान में कार्य करने के लिए प्रसिद्ध हैं। अनुसर्जन का यह उनका पहला प्रयोग है।)

(यह कॉलम हर उस इंसान के लिए है जो संघ को समझना चाहता है, फिर वह समर्थन में हो या विरोध में : संपादक)

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

बलि राजा का विस्तृत दान-विवाद

यज्ञमंडप में धुएँ की महीन-सी परत और घास की दहलीज पर बिखरी हुई रोशनी का शांत खेल था। पवित्र अग्नि मंद-मंद फड़फड़ा रही थी और चारों ओर दीवारों पर टंगे तांबे के बर्तन सूर्य के अंकुरित किरणों की तरह चमक रहे थे। उस मंडप की गरिमा और शांति में एक अजीब-सा उलज़ाव बैठा हुआ था — बलि राजा, अपने विशाल व्यक्तित्व और कसौटी-सी दृढ़ता के साथ, दान का संकल्प करने खड़ा था; वहीं शुक्राचार्य, ब्रह्मनिष्ठ, चरणों में बैठकर भय और विवेक का संदेश लिए हुए अपने मत प्रकट करने हेतु तैयार थे। शुक्राचार्य की आँखों में वही गंभीरता थी जो वर्षों के पठन-पाठन, मेल-मिलाप और धर्म-नीति के चिंतन से आती है। उन्होंने एक नज़र में पहचान लिया: यह साधारण ब्राह्मण बालक नहीं — यह वामन रूप में अवतरित नारायण हैं। पर उनकी चिंता केवल पहचान की नहीं थी; चिंता थी परिणाम की — उस दान के बाद जो असाधारण परिणामी होगा। धीरे से वे बोले, "राजन, शीघ्रता मत करो। देवों के कार्य की सिद्धि हेतु साक्षात् नारायण ही वामन रूप में आए हैं। तुम्हारा सारा साम्राज्य इनके केवल दो कदमों के नाप में समा जाएगा। जरा सोच कर संकल्प करो।" बलि ने अपनी भारी आवाज़ में कहा, "महाराज! जो मैंने कहा, वह मैंने कहा। दान मेरा धर्म है।" पर शुक्राचार्य ने विवेक पुकारा — "विचार करो। तुम नहीं जानते यह बालक किस रूप का होगा; इस दान का क्या परिणाम होगा। यदि तुम अपना सर्वस्व दे दोगे, तो न केवल तुम निर्बल हो जाओगे, पर्वारी और परिवार दरिद्र होंगे, उनके जीवन में दुःख आएगा। ऐसा दान मत करो कि तुम्हारा घर ख़ाली रहे।" शुक्राचार्य ने विस्तार से समझायाः "राजन, दान अवश्य करना चाहिए — पर विवेक से। दान का अर्थ अज्ञान में अपना सब लेना नहीं। दान ऐसा हो कि देन वाले का कर्तव्य निभे और ग्रहण करने वाले का हक सुरक्षित रहे। देवों के हितार्थ विष्णु स्वयं वामन रूप लेकर आए हैं, पर भविष्य का भार भी तुम्हें सहन करना होगा। इसलिए मैं कहता हूँ — संपूर्ण सर्वस्व की जगह पाँचवाँ हिस्सा ही दान करो।" बलि की नज़रे ठहरीं— मन में कुछ दृढ़ संकल्प का ज्वार उठ आया। "पर मैंने वचन दे दिया है," उन्होंने कहा। "यदि मैं अब मना कर दूँ तो असत्य बोलने का पाप होगा; मेरा मान-सम्मान क्या होगा? भला राजा वचन-भंग कैसे कर सकता है?" शुक्राचार्य ने धीरे और मृदु स्वर में उत्तर दिया, "विपत्ति के समय असत्य बोला जाता है तो वह क्षम्य माना जाता है। सामान्य दशा में सत्य ही धर्म है, पर जब प्राण-रक्षा या भारी संकट हो, तब वचन-भंग में भी विवेक हो सकता है। धर्म केवल शब्दों का अनुगमन नहीं, जीव का रक्षण भी है। सोचो, यदि तुम सर्वस्व दे दोगे और तुम्हारे परिवार का जीवन दूभर हो जाएगा, तो क्या यही धर्म का उद्देश्य है? कभी-कभी, हित-परिवर्तक परिस्थितियों में छोटा-सा छल—यदि वह जीवन बचाए—क्षमा योग्य और विवेकपूर्ण भी हो सकता है।" मंडप में निश्चल शांति के बीच बलि के मन में युद्ध चिल्लाने लगा— धर्म और भक्ति, कर्तव्य और प्रेम, वचन और विवेक — सब आपस में खिंचे जा रहे थे। थोड़ी देर बाद बलि की आँखों में एक अटल भक्ति की चमक उभरी। उन्होंने कहा, "गुरुजी, मैं वैष्णव हूँ। मेरे पूर्वज प्रह्लाद के वंशज रहे हैं — मेरे गले में वैष्णव माला है। जो मैं मान रहा था कि एक साधारण ब्राह्मण बालक मेरे पास भिक्षा माँगने आया है, अब मुझे ज्ञात हुआ कि वह स्वयं नारायण हैं। यदि नारायण मुझसे भिक्षा माँग रहे हैं तो मैं उन्हें क्या रोकूँ? मैं अपना सर्वस्व नारायण को अर्पित कर दूँ; इससे मेरी प्रतिष्ठा भी बढ़ेगी — यह कहा जाएगा कि बलि ने अपना सब कुछ विष्णु को अर्पित कर दिया।"

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

अपने विचार

ये वारदात चौंकाने वाला है; हमारी सरकार ऐसी घटनाओं को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करती। वारदात में शामिल तीन आरोपी गिरफ्तार कर लिए गए हैं, पुलिस अन्य की तलाश कर रही है; किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। निजी कॉलेजों को परिसर के भीतर और आसपास सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए।

-ममता बनर्जी , सीएम

मेरे खिलाफ पहले से इतने एफआईआर दर्ज हैं, एक और हो गया तो क्या फर्क पड़ता है। जब यह पूछा गया कि चुनाव आयोग प्रचार से रोक सकता है, तो उन्होंने बेपरवाही से जवाब दिया कि कोई बात नहीं, अगर रोक देंगे तो रुक जाऊंगा।

-प्रशांत किशोर, जन सुराज संस्थापक

अपने विचार

डीबीडी कार्यालय

ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : **indiagroundreport@gmail.com** **कार्यकारी संपादक :** अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

अमरावती शहर में कॉम्बिंग ऑपरेशन 304 कार्रवाई 21 पर मामले दर्ज

डीबीडी संवाददाता । अमरावती

अमरावती शहर पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र में पुलिस विभाग द्वारा कॉम्बिंग ऑपरेशन चलाया गया। विविध थाना क्षेत्रों में आर्म एक्ट, तड़ीपार, जुआ, शराब केसेस, निगरानी अपराधी की जांच, कुख्यात अपराधी की जांच, फरार आरोपी को गिरफ्तार करना, एनबीडब्ल्यू वारंट, वाहन चेक व अन्य प्रकार की 304 कार्रवाई की गई। इस बीच पुलिस ने 21 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस विभाग द्वारा चलाए गए कॉम्बिंग ऑपरेशन से अपराधियों के पसीने छूट गए हैं। पुलिस आयुक्त अरविंद चावरिया ने शहर में कॉम्बिंग ऑपरेशन चलाकर कार्रवाई करने के आदेश दिए थे। अपराध शाखा और आयुक्तालय के अन्य पुलिस थाना अधिकारियों की ओर से कार्रवाई की गई। इसमें आर्म एक्ट की अपराध शाखा ने 2 और फ्रेजरपुरा पुलिस ने एक कार्रवाई की। पुलिस ने सुमित आनंद आडोले (21, संजय गांधी नगर, अमरावती), विशाल गंगाराम कायवाटे (29, महाजनपुरा, अमरावती) व संतोष सुभाषराव येरपुडे (18, फ्रेजरपुरा, अमरावती) के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

गाडगेनगर क्षेत्र में 8 जुआरी पकड़े

गाडगेनगर थाना क्षेत्र में चल रहे जुआ अड्डे पर पुलिस ने छापा मारकर राजू बारकूजी सांगोले (64, नवसारी), आसिफ खान मुस्तफा खान (52,अलहिलाला कालोनी), संजय रमेशराव गावंडे (नवसारी), अब्दुल हुसेन अब्दुल हमीद (48, हबब नगर), किसन उत्तमराव कोकाटे (49, महात्मा फुले नगर, अमरावती) व सदीप श्रवण इंगले (45, नवसारी) को हिरासत में लिया। अपराध शाखा ने जुआं खेलते युसूफ खान युनूस खान (60, चमन नगर, बडनेरा) व अब्दुल सत्तार अब्दुल खलील (कंपासपुरा, बडनेरा) के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अवैध शराब बिक्री पर कार्रवाई करते हुए अपराध शाखा ने प्रशांत गणवीर (41), सागर लोखंडे(38, सिद्धार्थ नगर, अमरावती) के खिलाफ कार्रवाई की। इसी तरह फ्रेरपुरा पुलिस ने बाबूलाल हसन रायलीवाले (58, कुंभारवाडा, अमरावती) व एक महिला पर अवैध शराब बिक्री की कार्रवाई की। गाडगेनगर पुलिस ने महात्मा फुले नगर निवासी बालू जुनघरे के खिलाफ कार्रवाई की।

तड़ीपारों को पकड़ा

अपराध शाखा ने भारत राजेश मगरे (24, इंदिरा नगर, बडनेरा) व एक अन्य पर तड़ीपार आदेश के उल्लंघन कर शहर में रहने पर कार्रवाई की। राजापेठ पुलिस ने तड़ीपार विककी मधुकर खडसे (30,केडिया नगर, अमरावती) को हिरासत में लिया। इसके अलावा 122 महाराष्ट्र पुलिस कानून के तहत अभिषेक उर्फ टोबो आनंदीला साहू (22, साहुबाग, अमरावती) के खिलाफ अपराध शाखा ने कार्रवाई की। उक्त कार्रवाई पुलिस आयुक्त अरविंद चावरिया, पुलिस उपायुक्त गणेश शिंदे, रमेश धुमाल, शाम घुगे के मार्गदर्शन में पुलिस अधिकारी व अमलदारों ने की।

वसई पश्चिम में प्रेरक 'चक्र उपचार एवं ऊर्जा संतुलन' कार्यशाला का आयोजन

वसई। वसई पश्चिम में पीएसएसएम मुंबई टीम द्वारा स्वामी नारायण हॉल, वसई पश्चिम में प्रेरक चक्र उपचार और ऊर्जा संतुलन कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में बड़ी संख्या में युवाओं और साधकों ने भाग लिया। प्राकृतिक चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. ऋतु जैन ने प्रतिभागियों को माइंडफुलनेस, आत्म-चेतना, सकारात्मक ऊर्जा और चक्र हीलिंग के माध्यम से मानसिक एवं आध्यात्मिक संतुलन बनाए रखने के उपाय बताए। उन्होंने कहा कि "यह कार्यशाला युवाओं को भीतर की ऊर्जा पहचानने और उसे सकारात्मक दिशा में प्रयोग करने की प्रेरणा देती है।" इस कार्यक्रम में राजू इसाई, छोटू आनंद, साधना धुरी, मनोज शर्मा, लालजी कनौजिया, मिक्की आनंद, रीता इस्सर और कल्पेश चौहान के प्रयासों से आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। पीएसएसएम मुंबई की यह पहल ध्यान, ऊर्जा संतुलन और आध्यात्मिक विकास की दिशा में युवाओं के बीच जागरूकता फैलाने का एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई। कार्यक्रम में उपस्थित भाजपा युवा नेता और विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक सोच और आत्मिक शक्ति के प्रसार के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

ब्रीफ न्यूज़

जीप पलटने से एक की मौत, 11 घायल

जलगांव। महाराष्ट्र के जलगांव जिले के रावेर तहसील के बोरघाट इलाके में रविवार को सुबह किसानों से भरी जीप अचानक पलट जाने से एक किसान की मौत हो गई और 11 किसान घायल हो गए। इस घटना की जानकारी मिलते ही रावेर पुलिस स्टेशन की टीम मौके पर पहुंची और घायल किसानों को नजदीकी श्रीहरि अस्पताल में भर्ती करवाया है। इस घटना की छानबीन रावेर पुलिस कर रही है। इस घटना की छानबीन कर रहे रावेर पुलिस स्टेशन के पुलिसकर्मी ने बताया कि आज सुबह किसानों से भरी जीप अंजनसोंडा और फुलगांव के किसानों को लेकर पाल की ओर जा रही थी। लेकिन बोरघाट क्षेत्र में चालक ने जीप से नियंत्रण खो दिया जिससे जीप पलट गई। इस घटना में एक किसान की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक किसान की पहचान अंजनसोंडा के विजय धर्म राणे (41) के रूप में की गई है। जबकि घायलों में विमल चौधरी (51), प्रशांत चौधरी (49), राजेंद्र चौधरी (62), पद्माकर पाटिल (62), दिगंबर चौधरी (69), गोपाल कोली (71), प्रभाकर कोली (43), जगन्नाथ कोली (68), इंदुबाई पचपांडे (70), गणेश चौधरी (64) और उज्ज्वला पाटिल (36) शामिल हैं।

कबूतरों को बचाने के दौरान बिजली का झटका लगने से दमकलकर्मी की मौत

ठाणे। ठाणे में बिजली के तार में फंसे कबूतर को बचाते समय 28 वर्षीय एक अग्निशमनकर्मी की बिजली का झटका लगने से मौत हो गई तथा उसका सहयोगी घायल हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी रविवार को दी। ठाणे नगर निगम के क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख यासीन तड़वी ने बताया कि यह घटना शाम करीब पांच बजे दिवा-शील रोड पर सुदामा रेजीडेंसी के पास हुई। दिवा बीट फायर स्टेशन को बिजली की लाइन पर एक कबूतर के फंसने की सूचना मिली। उन्होंने बताया कि बचाव दल को घटनास्थल पर भेजा गया।

उन्होंने बताया कि बचाव अभियान के दौरान दो दमकलकर्मी बिजली के तार के संपर्क में आ गए और उन्हें गंभीर करंट लग गया। उन्हें कलवा स्थित सरकारी छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल ले जाया गया। तडवी ने बताया कि अग्निशमनकर्मी उत्सव पाटिल को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि उनके सहयोगी आजाद पाटिल (29) का हाथ और छाती पर जलने के कारण इलाज किया जा रहा है। अधिकारियों ने कहा कि यह पता लगाने के लिए जांच की जाएगी कि बिजली का झटका कैसे लगा और बचाव अभियान के दौरान उचित सुरक्षा उपाय किए गए थे या नहीं।

रायगढ़ में काला जादू के बहाने दुष्कर्म,आरोपी बाबाजान गिरफ्तार

रायगढ़। महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। एक स्वयंभू तांत्रिक ने महिला को 'बुरी आत्माओं से मुक्त करने' का झांसा देकर उसके साथ बलात्कार किया। आरोपी की पहचान अब्दुर रशीद उर्फ बाबाजान (40) के रूप में हुई है, जो काला जादू करने का दावा करता था। खालापुर पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया कि आरोपी ने पीड़िता से कहा था कि वह कुछ अनुष्ठानों और आध्यात्मिक उपचारों के माध्यम से उसे नकारात्मक शक्तियों से छुटकारा दिला सकता है। इसी बहाने उसने महिला से जबरन दुष्कर्म किया। पुलिस के मुताबिक, बाबाजान के खिलाफ यह दूसरा बलात्कार का मामला है। इससे पहले भी मुंबई के सांताक्रूज पुलिस थाने में इसी तरह का मामला दर्ज किया गया था। खालापुर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और उसके खिलाफ बलात्कार और धोखाधड़ी से जुड़ी धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी से पूछताछ जारी है और जांच में यह भी पता लगाया जा रहा है कि क्या उसने इसी तरह अन्य महिलाओं को भी अपने झांसे में फंसाया था।

पुणे में दो वाहनों की टक्कर में बुजुर्ग की मौत, पत्नी घायल

डीबीडी संवाददाता । पुणे

पुणे जिले के इंदापुर-बारामती श्री संत तुकाराम महाराज पालकी राजमार्ग पर रविवार को दोपहर एक चार पहिया वाहन और मोटरसाइकिल की टक्कर में एक बुजुर्ग की मौत हो गई जबकि उनकी पत्नी घायल हो गईं। घायल बुजुर्ग महिला का इलाज बारामती के निजी अस्पताल में हो रहा है। इस घटना की छानबीन वालचंदनगर पुलिस स्टेशन की टीम कर रही है। इस घटना की छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि इंदापुर स्थित घोरपड़वाड़ी के निवासी 77 वर्षीय तानाजी पांडुरंग झेलमार मोटरसाइकिल से पालकी मार्ग पर से जा रहे थे। तभी अचानक चौपन फाटा पेट्रोल पंप के पास बारामती से आ रहे एक चार पहिया वाहन ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर

मार दी। इस घटना में तानाजी पांडुरंग झेलमार की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई और उनकी पत्नी कमल तानाजी झेलमार गंभीर रूप से घायल हो गईं। उन्हें इलाज के लिए बारामती में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलने पर वालचंदनगर पुलिस ने घटनास्थल का दौरा किया और मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है ।

धीरेंद्र शास्त्री का विवादित बयान पटाखों पर दूसरों से ज्ञान न लें

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने दिवाली पर पटाखों को लेकर हर साल होने वाली बहस पर बड़ा बयान दिया है। महाराष्ट्र के भिवंडी में श्रीमद्भागवत कथा के दौरान शास्त्री ने कहा, 'हम तो पटाखे फोड़ेंगे, कृपया इस पर हमें उपदेश न दें। हम न तो आपके बकरीद पर ज्ञान देते हैं, न ही ताजिया पर, तो आप भी होली और दिवाली पर ज्ञान न दें।'

सोशल मीडिया पर वायरल

धीरेंद्र शास्त्री का यह बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और इसके समर्थन और विरोध में कई प्रतिक्रियाएँ सामने आई हैं। उनके इस फायर भाषण ने ऑनलाइन बहस को और तेज़ कर दिया है। मुंबई दौरे पर धीरेंद्र शास्त्री ने सिद्धिविनायक मंदिर में गणपति बप्पा के दर्शन किए और श्री बागेश्वर बालाजी सनातन मठ महाराष्ट्र में भी प्रवचन दिए। भिवंडी में आयोजित तीन दिनों की श्रीमद्भागवत कथा में उन्होंने विशेष प्रवचन देकर श्रद्धालुओं को संबोधित किया।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बीच आया बयान

यह बयान ऐसे समय में आया है जब सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में पटाखों पर बैन लगाया हुआ है और दिवाली पर पटाखे फोड़ने को लेकर आदेश सुरक्षित रखा है। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि पटाखों से प्रदूषण होता है, लेकिन यह केवल दिवाली तक ही सीमित है।

लोककल्याण मेले का सफल आयोजन

नवी मुंबई। नवी मुंबई महानगरपालिका के समाजविकास विभाग की ओर से फेरीवालों (हॉकर्स) के लिए तुर्भे विभाग कार्यालय में पीएम स्वनिधि योजना के तहत लोककल्याण मेला आयोजित किया गया, जो सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय के उप सचिव डॉ. पराग गवली, भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (SIDBI) के महाप्रबंधक राजेश कुमार, नगर परिषद प्रशासन संचालनालय के सह आयुक्त शंकर गोरे, उप आयुक्त प्रणाली घोंगे, पनवेल महानगरपालिका के अधिकारी नानासाहेब कामटे, तथा नवी मुंबई महानगरपालिका समाजविकास विभाग की उप आयुक्त नयना ससाणे, समाजविकास अधिकारी प्रकाश कांबले और राष्ट्रीय शहरी आजीविका अभियान (NULM) के राज्य अभियान प्रबंधक उपस्थित थे।

सोलापुर मंडल रेलवे अस्पताल में मनाया गया विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस

डीबीडी संवाददाता । सोलापुर

मध्य रेल के सोलापुर मंडल स्थित डॉ. कोटनीस मेमोरियल मंडल रेलवे अस्पताल ने मानसिक स्वास्थ्य और तनाव मुक्त कार्यस्थलों को बढ़ावा देने के लिए उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया। कार्यक्रम का उद्देश्य कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य और तनाव प्रबंधन के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

100 से अधिक लोगों ने किया सक्रिय भागीदारी

इस सत्र में डॉक्टरों, फार्मासिस्टों, नर्सिंग स्टाफ, मरीजों और उनके रिश्तेदारों सहित 100 से अधिक लोग उपस्थित थे। संवादात्मक चर्चाओं और विशेषज्ञों की राय ने कार्यक्रम को और प्रभावशाली और जानकारीपूर्ण बनाया। कार्यक्रम मंडल चिकित्सा अधिकारी डॉ. विनोद के सहयोग से आयोजित किया गया और मुख्य नर्सिंग पर्यवेक्षक राहुल गंबारे ने इसे कुशलतापूर्वक समन्वित किया। सहायक नर्सिंग अधिकारी सखारे ने आयोजन और सुचारू संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

तनाव प्रबंधन और कार्य-जीवन संतुलन पर व्याख्यान

कार्यक्रम में नैदानिक मनोवैज्ञानिक और अतिथि व्याख्याता सुश्री श्रेया गरमपट्टी ने कार्यस्थल पर तनाव प्रबंधन पर एक ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया। उन्होंने दैनिक तनावों से निपटने के व्यावहारिक तरीके साझा किए और स्वस्थ कार्य-जीवन संतुलन बनाए रखने के महत्व पर ज़ोर दिया। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. मंजूनाथ ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए तनाव को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने में आत्म-सम्मान, खुले संवाद और सक्रिय श्रवण की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए पौष्टिक आहार, नियमित व्यायाम और संगीत चिकित्सा जैसी जीवनशैली अपनाने पर जोर दिया।

मानसिक स्वास्थ्य का महत्व और संदेश

डॉ. कोटनीस मेमोरियल रेलवे अस्पताल में आयोजित विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस ने स्पष्ट संदेश दिया कि मानसिक स्वास्थ्य शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्वपूर्ण है। सोलापुर मंडल कर्मचारियों के समग्र कल्याण पर जोर देता है और सभी रेल कर्मियों के लिए सहायक, स्वस्थ और तनाव मुक्त कार्य वातावरण बनाने का प्रयास करता रहा है। यह आयोजन कर्मचारियों में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता बढ़ाने और कार्यस्थल पर स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर सूची में शामिल किए गए शिवरायों के 12 किलों की बनाई जाए प्रतिकृतियां

नवी मुंबई। यूनेस्को ने हाल ही में छत्रपति शिवाजी महाराज के बारह किलों को विश्व धरोहर स्थलों की सूची में शामिल किया है। यह पूरे देश, विशेषकर महाराष्ट्र के लिए गर्व और आनंद का विषय है। इस उपलक्ष्य में महाराष्ट्र सरकार की ओर से मुख्यमंत्री की संकल्पना के अनुसार नागरिकों से 'दुर्गोत्सव' जैसे अभिनव और प्रेरणादायक उपक्रम में भाग लेने का आग्रह किया गया है। दीपावली के त्योहार में जैसे मिठाई, फड़फड़ (फराळ) और रंगोली का विशेष महत्व होता है, वैसे ही इस 'दुर्गोत्सव' के अवसर पर लोग अपने घर, मोहल्ले या सोसायटी परिसर में छोटे-बड़े मिलकर ऐतिहासिक किलों की प्रतिकृतियां बनाते हैं। यह न केवल हमारी सांस्कृतिक परंपरा का प्रतीक है, बल्कि आने वाली पीढ़ी के मन में हमारे गौरवशाली इतिहास और विरासत के प्रति गर्व और सम्मान की भावना भी जगाता है। दीपावली काल में स्वप्रेरणा से मनाया जाने वाला यह दुर्गोत्सव शिवछत्रपति को

समर्पित है और अपनी तरह का दुनिया में अनोखा उपक्रम माना जा रहा है। इस संदर्भ में महाराष्ट्र सरकार ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे अपने घर के आंगन, सोसायटी परिसर, बगीचे या बालकनी में यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर सूची में शामिल 12 किलों — रायगढ़, राजगढ़, प्रतापगढ़, सिंधुदुर्ग, साल्हेरदुर्ग, खांदेरी दुर्ग, जिंजी, पन्हाळगढ़, शिवनेरी, विजयदुर्ग, लोहगढ़ और पद्मदुर्ग — की प्रतिकृतियां अपने परिवार के साथ मिलकर सुंदर सजावट के साथ बनाएं।

'दुर्गोत्सव' में भाग लेने के लिए नागरिकों को 12 से 25 अक्टूबर 2025 के बीच https://www.durgotsav.com/ इस डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपना नाम और अन्य विवरण भरकर पंजीकरण करना होगा। इसके बाद प्रतिभागी को अपने बनाए किसी एक दुर्ग के साथ सेल्फी फोटो खींचकर उसी वेबसाइट पर अपलोड करना होगा।

फोटो की जांच अमृत संस्था द्वारा किए जाने के बाद प्रत्येक प्रतिभागी को महाराष्ट्र सरकार की ओर से मुख्यमंत्री महोदय के हस्ताक्षर वाला डिजिटल 'अभिनंदन पत्र' प्रदान किया जाएगा। इसके साथ ही प्रतिभागियों को 'शिवचरित्र से आज के लिए सीखें जाने वाले जीवन के पाठ' विषय पर ऑडियो और वीडियो स्वरूप में प्रेरणादायक सामग्री भी निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष उत्साहवर्द्धक सूचना मिलेगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। फालतू खर्च होगा। बड़ा काम करने का मन बनेगा। कारोबार में लाभ होगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड आदि मनोनुकूल लाभ देंगे। भाइयों का सहयोग मिलेगा। आत्मसम्मान बना रहेगा।

वृष चोट व रोग से बाधा संभव है। झंझटों में न पड़ें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। यात्रा लाभदायक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। समय अनुकूल है, लाभ लें। प्रमाद न करें। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा।

मिथुन विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। कुसंगति से बचें। घर-परिवार की चिंता रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। आय बनी रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा।

कर्क डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेशादि मनोनुकूल लाभ देंगे। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार में लाभ बढ़ेगा। किसी मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर मिल सकता है। पारिवारिक सहयोग मिलेगा।

सिंह योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में कार्यभार तथा अधिकार दोनों बढ़ सकते हैं। बाहर जाने की योजना बनेगी। शत्रुओं का पराभव होगी।

कन्या कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति मनोनुकूल रहेगी। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। धन प्राप्ति सुगम होगी। नौकरी में चैन रहेगा। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी। धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर मिल सकता है। सत्संग का लाभ मिलेगा।

तुला बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। काम करने की इच्छा नहीं होगी। विवाद से क्लेश संभव है। बनते कामों में बाधा उत्पन्न होगी। मेहनत अधिक और लाभ कम रहेगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा। घर में तनाव रह सकता है।

वृश्चिक स्वास्थ्य का ध्यान रखें। उत्साह की अधिकता तथा व्यस्तता रहेगी। राजकीय बाधा दूर होगी। कारोबार ठीक चलेगा। महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य अनुकूल है, लाभ लें।

धनु स्थायी संपत्ति में वृद्धि हो सकती है। प्रॉपर्टी के कामकाज बड़ा लाभ दे सकते हैं। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में प्रशंसा मिलेगी। रोजगार मिलेगा। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। पार्टनरों से मतभेद दूर होंगे। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें।

मकर रचनात्मक कार्य पूर्ण व सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आयोजन होगा। आय में वृद्धि होगी। परीक्षा व साक्षात्कार में सफलता प्राप्त होगी। व्यस्तता रहेगी। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

कुंभ विवाद को बढ़ावा न दें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। दुःखद समाचार मिल सकता है। बेकार बातों की तरफ ध्यान न दें। दौड़धूप अधिक होगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग कम मिलेगा। कार्य की अधिकता रहेगी।

मीन मेहनत का फल पूरा-पूरा मिलेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। बड़ा काम करने का मन बनेगा। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। भाग्य अनुकूल रहेगा। रुके कार्य पूरे होंगे। प्रसन्नता रहेगी। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से परिचय होगा।

गूढ़ ज्योतिष के रहस्यमयी 16 जीवन सूत्र

यह नियम इस कारण से सत्य है कि बाद का ग्रह कर्म का परिणाम है — पहले ग्रह का कार्य प्रारंभ, दूसरे का समापन। इसलिए परिणाम हमेशा बाद के ग्रह के अनुसार होता है।

महापुरुष योग जब सूर्य या चन्द्र के साथ होता है और जन्म समय अशुभ वेले में होता है, तो उसका पूर्ण फल नहीं मिलता। लेकिन जब उसी कुंडली में कोई नीच ग्रह हो, तब उसी की दशा में व्यक्ति को अद्भुत उन्नति मिलती है। इसका कारण यह है कि नीच ग्रह अपने पतन से व्यक्ति को जगाता है और भीतर की सुप्त शक्तियों को सक्रिय करता है। इस प्रकार विपरीत दशा ही असली उन्नति का द्वार बन जाती है।

जन्म समय को लेकर ऋषियों में विभिन्न मत हैं। गर्ग और उनके अनुयायियों ने कहा है कि पैरों से प्रसव में जब टखने दिखें, वही जन्म समय माना जाए; सीधे प्रसव में कंधे दिखने का समय जन्म का है। अन्य

प्रियंका जैन
9769994439

मत कहता है कि जब माँ के शरीर से बच्चे का शरीर पूर्ण रूप से अलग हो जाए, तब असली जन्म होता है। आधुनिक दृष्टि से भी यही सत्य है, क्योंकि उसी क्षण बालक स्वतंत्र रूप से प्राणवायु ग्रहण करता है और आत्मा पूर्ण रूप से देह में प्रविष्ट होती है।

पंचांग के पाँच तत्व — तिथि, वार, नक्षत्र, योग और करण — किसी कुंडली के अध्ययन के प्रथम द्वार हैं। इनमें जन्म का वारपति (जन्म वार का स्वामी) यदि कुंडली में बलवान हो, तो संपूर्ण जन्मपत्रिका को अतिरिक्त शक्ति मिलती है। ऐसा व्यक्ति समय, अवसर और कर्म को पहचानकर जीवन में आगे बढ़ता है।

जब कुंडली में सभी सात ग्रह लग्न से पाँचवें, छठे या सातवें भाव तक क्रम से बैठे हों, तो यह मालिका योग कहलाता है। यह योग व्यक्ति को सम्मान, पद और धन प्रदान करता है, क्योंकि यह ऊर्जा का निरंतर प्रवाह दर्शाता है। किंतु यदि यह श्रृंखला आठवें या बारहवें भाव से आरंभ हो, तो इसका प्रभाव उल्टा हो जाता है। तब व्यक्ति को बार-बार रुकावटें, हानि और मानसिक अशांति झेलनी पड़ती है। विद्वान तांत्रिक बनने के योग विशेष संयोजन से बनते हैं। जब 1, 2, 5, 9, 12 भावों में पाप ग्रह हों, केंद्र में पाप ग्रह के साथ बुध स्थित हो, सूर्य-मंगल या बुध-शनि का केंद्र में योग बने और दशम भाव में पाप ग्रह पर शुभ ग्रह की दृष्टि हो, तब व्यक्ति रहस्यमयी शक्तियों का स्वामी बनता है। यदि राहु या केतु तीसरे या ग्यारहवें भाव में हों, तो यह योग और भी तीव्र हो जाता है। ऐसा व्यक्ति गूढ़ ज्ञान, तंत्र, और साधना में विलक्षण प्रगति करता है।

यदि लग्नेश द्वादश भाव में हो, तो ऐसे व्यक्ति के जीवन में शत्रु अधिक होते हैं। उन पर झूठे आरोप भी लग सकते हैं, और कई बार आत्मसंदेह या निराशा की भावना बढ़ जाती है। यह स्थिति व्यक्ति को बार-बार स्वयं से युद्ध करने के लिए प्रेरित करती है, ताकि वह आत्मबल से विजय प्राप्त कर सके।

राहु की महादशा में केतु की अंतर्दशा का समय अत्यंत उलझनभरा होता है। इस दौरान व्यक्ति मानसिक रूप से विचलित और निर्णयहीन हो जाता है। दिशा खो देता है, पर यदि इस अवधि में गुरु या चन्द्र की कृपा मिल जाए, तो यही समय उसके आध्यात्मिक जागरण का कारण बन जाता है।

न्यूज़ ब्रीफ

गोमती केवल नदी नहीं, सांस्कृतिक चेतना और जीवनधारा की प्रतीक : योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को 'गोमती नदी पुनर्जीवन मिशन' की घोषणा की। उन्होंने कहा कि पीलीभीत से गाजीपुर तक प्रवाहित गोमती केवल एक नदी नहीं, बल्कि उत्तर भारत की सांस्कृतिक चेतना, आध्यात्मिक विरासत और जीवनधारा की प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोमती का पुनर्जीवन सिर्फ जल शुद्धिकरण नहीं, बल्कि पर्यावरण, संस्कृति और समाज के पुनर्संवर्धन का व्यापक अभियान है। मुख्यमंत्री योगी टेरिटोरियल आर्मी की पहल पर आयोजित गोमती टास्क फोर्स की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह केवल सरकारी परियोजना नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग की सहभागिता से चलने वाला जन-आंदोलन होगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि गोमती में एक भी बूंद सीवरेज न गिरे, इसके लिए अल्पकालिक और दीर्घकालिक रणनीतियां बनाई जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि नदी किनारे की अवैध बस्तियों में घुसपैठियों की पहचान कर कार्रवाई की जाए, ताकि स्वच्छता और सुरक्षा दोनों सुनिश्चित हो सकें। उन्होंने कहा कि मिशन का दायरा पीलीभीत से गाजीपुर तक नदी के पूरे प्रवाह क्षेत्र को कवर करेगा, जिससे गोमती अपने संपूर्ण रूप में स्वच्छ, अविरल और निर्मल बन सके। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस मिशन के तहत नगरीय सीवेज का 95 प्रतिशत अवरोधन, नदी प्रदूषण को न्यूनतम करना और तटीय पारिस्थितिकी का पुनरुद्धार प्राथमिक लक्ष्य होंगे। उन्होंने कहा कि लखनऊ में इकाना वेटलैंड और साजन झील जैसे नए वेटलैंड विकसित किए जाएंगे। घाटों के सौंदर्यीकरण, तटीय हरियाली बढ़ाने और सिंगल यूज प्लास्टिक पर सख्त प्रतिबंध लागू करने के निर्देश भी दिए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोमती का पुनर्जीवन केवल प्रदूषण नियंत्रण तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह नदी के जैविक और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का माध्यम बनेगा।

घर से खींचकर धारदार हथियार से युवक की हत्या, 8 आरोपी नामजद

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले के जवां क्षेत्र में सांप्रदायिक तनाव फैलाने वाला एक भयावह मामला सामने आया है। यहां आधा दर्जन से अधिक युवकों ने 18 वर्षीय हिंदू युवक करण की बेरहमी से हत्या कर दी। आरोप है कि युवक को उसके घर से खींचकर बाहर लाया गया और फिर धारदार हथियारों से गोद-गोदकर मार डाला गया। इस वारदात से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। जानकारी के मुताबिक, जवां कस्बे के रहने वाले मेघसिंह का बेटा करण नोएडा में मजदूरी करता था और 11 अक्टूबर की रात करीब 10 बजे घर लौटा था। रात करीब 11:30 बजे कुछ मुस्लिम युवक उसके घर पहुंचे और जबरन उसे बाहर खींच ले गए। आरोप है कि इसके बाद करण की लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से बेरहमी से पिटाई की गई। इस दौरान उसे कई चाकू के वार किए गए, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही थाना जवां पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के परिजनों ने मुख्य आरोपी अशद खान समेत आठ लोगों के खिलाफ नामजद तहरीर दी है। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए अशद खान समेत सभी आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह मामला दो समुदायों से जुड़ा होने के कारण इलाके में तनाव का माहौल है, इसलिए भारी पुलिस बल की तैनाती की गई है।

बीजेपी अपनी नाकामी छिपाना चाहती है : अखिलेश यादव

हर विभाग में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का आरोप

एजेंसी । लखनऊ

माजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को समाजवादी विचारक डॉ. राम मनोहर लोहिया की पुण्यतिथि पर उन्हें नमन किया। गोमतीनगर स्थित लोहिया पार्क पहुंचकर अखिलेश ने लोहिया की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और इसके बाद पत्रकारों से बातचीत में बीजेपी पर जमकर निशाना साधा।

भाजपा सरकार पर असुरक्षा और भ्रष्टाचार के आरोप

अखिलेश यादव ने कहा कि बीजेपी सरकार की नाकामी अब साफ दिखने लगी है। उन्होंने कहा, 'भाजपा द्वारा जारी NCRB के आंकड़ों में साफ है कि महिलाएं बड़े पैमाने पर असुरक्षित हैं। भाजपा अपनी नाकामी छिपाने की कोशिश कर रही है। उत्तर प्रदेश में उत्पीड़न और अन्याय चरम पर है। जिन विभागों को जनता की सेवा करनी चाहिए, वहीं भ्रष्टाचार के केंद्र बन गए हैं।'

'जातिवाद और आरक्षण खत्म करने की कोशिश'

अखिलेश ने आगे कहा कि सरकार अधिकारियों की तैनाती जातिवाद के आधार पर कर रही है। कई जिलों में पीडीए का अधिकारी तक नहीं है। यह सरकार आरक्षण छीनने और बाजार को विदेशी कंपनियों के हवाले करने में लगी है, जबकि स्वदेशी की बात करती है। असल में यह मन से विदेशी है। अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी डॉ. लोहिया के विचारों पर चल रही है। डॉ. लोहिया का सपना समाज में समानता और न्याय का था। हम संकल्प लेते हैं कि उनकी सप्त क्रांति को जनता तक पहुंचाएंगे और पीडीए समाज को आर्थिक और सामाजिक सम्मान दिलाएंगे।

'एक लेखपाल के पास 100 करोड़ की संपत्ति'

सपा प्रमुख ने कहा कि बीजेपी शासन में हर विभाग में भ्रष्टाचार फैला हुआ है। 'एक लेखपाल के पास 100 करोड़ की संपत्ति मिलना इस सरकार की असलियत उजागर करता है। थानों में शिकायतें नहीं लिखी जा रहीं और सरकार कानून व्यवस्था दुरुस्त होने की बात करती है।' अखिलेश यादव ने कहा कि यूपी सरकार जेपीएनआईसी को बेचने की साजिश कर रही है। मेरे रहते ऐसा नहीं होने दूंगा। अखिलेश ने बताया कि मुलायम सिंह यादव के कार्यकाल में जब लोहिया पार्क बना था तब एक भी पेड़ नहीं काटा गया था। 'यही समाजवादी सोच है, जबकि मौजूदा सरकार विकास को बर्बाद करने में लगी है।'

आजम खान को फिर मिली 'Y कैटेगरी' सिक्योरिटी

जेल से बाहर आने के बाद प्रशासन ने बढ़ाई सुरक्षा

एजेंसी । लखनऊ

समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खान को जेल से रिहाई के बाद एक बार फिर 'वाई कैटेगरी' सुरक्षा प्रदान की गई है। पहले उत्तर प्रदेश सरकार ने उनकी सुरक्षा वापस ले ली थी, लेकिन अब जमानत पर बाहर आने और लगातार बढ़ रही मुलाकातों को देखते हुए प्रशासन ने यह फैसला लिया है। शनिवार से ही उनके आवास पर गार्ड और गनर तैनात कर दिए गए हैं।

सरकार ने पहले वापस ली थी सुरक्षा

पहले यूपी सरकार ने यह कहते हुए आजम खान की वाई श्रेणी सुरक्षा वापस ले ली थी कि अब इसकी जरूरत नहीं है। उन्हें सुरक्षा मुख्यालय की ओर से पत्र भेजकर सूचित किया गया था। वाई श्रेणी के तहत आजम खान को तीन सशस्त्र गनर और सुरक्षाकर्मी मिलते थे, जो उनके साथ और घर पर 24 घंटे तैनात रहते थे। आजम खान को अक्टूबर 2022 में भड़काऊ भाषण के मामले में दोषी करार दिया गया था, जिसके बाद उनकी विधानसभा सदस्यता समाप्त कर दी गई थी। वे करीब 23 महीने जेल में रहे।

अखिलेश यादव ने की मुलाकात, सरकार पर साधा निशाना

आजम खान की रिहाई के बाद उनसे मिलने वालों का तांता लग गया है। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने भी उनसे मुलाकात की और भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि 'आजम खान के खिलाफ केस राजनीति से प्रेरित हैं।' मुलाकातों की बढ़ती संख्या और सुरक्षा जोखिम को देखते हुए प्रशासन ने फिर से उनकी सुरक्षा बहाल कर दी है। प्रशासन के निर्णय के बाद शनिवार से आजम खान के आवास पर सुरक्षाकर्मी और गनर तैनात कर दिए गए हैं।

31 अक्टूबर को सरदार पटेल जयंती पर रन ऑफ यूनिटी का आयोजन

प्रदेश भर में होंगे कार्यक्रम: योगी

एजेंसी । लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को पांच कालिदास मार्ग स्थित अपने आवास पर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर होने वाले राज्यव्यापी कार्यक्रमों की घोषणा की। उन्होंने बताया कि सरदार पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर प्रदेश भर में 'रन ऑफ यूनिटी' और अन्य आयोजनों का आयोजन किया जाएगा।

डिजिटल फेज से शुरू हुआ अभियान

मुख्यमंत्री ने बताया कि इस अभियान की शुरुआत छह अक्टूबर को केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने डिजिटल माध्यम से की थी। तब से युवा सोशल मीडिया रील प्रतियोगिता, निबंध लेखन और यंग लीडर्स प्रोग्राम में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। योगी ने कहा, 'ये सिर्फ प्रतियोगिताएं नहीं हैं, बल्कि सरदार पटेल के विचारों को हर दिल तक पहुंचाने का एक साधन बन रही हैं।' योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अभियान का दूसरा चरण बेहद महत्वपूर्ण होगा। '31 अक्टूबर से 25 नवंबर तक गांव-गांव, गली-गली पदयात्राएं होंगी। योग और स्वास्थ्य शिविर लगाए जाएंगे, व्याख्यान और वाद-विवाद प्रतियोगिताएं होंगी, साथ ही नशा मुक्त भारत का संकल्प लिया जाएगा।' उन्होंने बताया कि इस दौरान मोदी सरकार की योजनाओं की प्रदर्शनी और स्वच्छता अभियान भी चलाए जाएंगे।

8 से 10 किमी की पदयात्रा में जुड़ेंगे युवा और अधिकारी

मुख्यमंत्री ने कहा कि एनसीसी कैडेट्स, एनएसएस स्वयंसेवक, स्कूल-कॉलेज के छात्र, रिटायर्ड प्रशासनिक अधिकारी, सेना के पूर्व जवान, बड़े खिलाड़ी और समाजसेवी इन पदयात्राओं में शामिल होंगे। प्रत्येक संस्था अपने नाम के बैनर के साथ इसमें भाग लेगी और 8 से 10 किलोमीटर तक पदयात्रा निकाली जाएगी। योगी ने बताया कि 26 नवंबर संविधान दिवस के अवसर पर प्रदेश के हर जिले से चुने गए 2 से 5 पदयात्री सरदार पटेल की जन्मभूमि करमसद से स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, केवड़िया तक 152 किलोमीटर की ऐतिहासिक यात्रा करेंगे। यह यात्रा वोकल फॉर लोकल और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मजबूत करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरदार पटेल ने रियासतों को जोड़ा था, अब हमें दिलों को जोड़ना है। जूनागढ़ के नवाब और हैदराबाद के निजाम को सरदार पटेल ने मनाया था। उन्होंने भारत के नक्शे को जोड़ा था, अब हमें दिलों और आत्माओं में भारत को एक करना है।

पति ने पत्नी को गुस्से में उतारा मौत के घाट

फतेहपुर। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले से दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक व्यक्ति ने पत्नी के पड़ोसी से अवैध संबंधों का पता चलने के बाद गुस्से में आकर उसकी गोली मारकर हत्या कर दी, और फिर खुद को भी गोली मार ली। वारदात के बाद दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। इस दर्दनाक घटना के बाद उनकी तीन बेटियां अनाथ हो गईं। यह घटना गाजीपुर थाना क्षेत्र के लम्हेटा गांव की है। बताया गया कि मृतक मुकेश निषाद (28) दो हफ्ते पहले दिल्ली से अपने गांव लौटा था। गांव आने के बाद उसे जानकारी मिली कि उसकी पत्नी गुड़िया देवी (26) का पड़ोस के युवक से अवैध संबंध चल रहा है। इस बात को लेकर पति-पत्नी के बीच लगातार झगड़े होने लगे थे। शनिवार रात विवाद इतना बढ़ गया कि मुकेश ने गुस्से में आकर पहले पत्नी को गोली मार दी और फिर खुद को भी गोली मारकर आत्महत्या कर ली। गोली की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो दोनों खून से लथपथ पड़े थे। पुलिस ने घटनास्थल से तमंचा बरामद कर शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। इस दर्दनाक घटना ने पूरे गांव को स्तब्ध कर दिया है।

यूपी में करवाचौथ की रात बड़ा धोखा

12 दुल्हनें जेवर-नकदी लेकर फरार

बिहार से जुड़ा सभी का कनेक्शन

एजेंसी । अलीगढ़

करवाचौथ की रात अलीगढ़ में 12 दुल्हनों ने शादी के कुछ घंटे बाद ही बड़ा धोखा दे दिया। सभी दुल्हनें रात में जेवर और नकदी लेकर फरार हो गईं। बताया जा रहा है कि सभी बिहार की रहने वाली थीं और शादी कराने वाले बिचौलियों के माध्यम से यहां आई थीं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं, बिचौलिये भी परिवार समेत फरार हैं।

पीड़ित पहुंचे पूर्व मेयर के घर

घटना के बाद बदनामी के डर से कई परिवार चुप रहे, लेकिन शनिवार को चार पीड़ित पूर्व मेयर शकुंतला भारती के आवास पहुंचे और न्याय की गुहार लगाई। इसके बाद पुलिस ने सासनी गेट थाने में मुकदमा दर्ज किया। थाना प्रभारी हरि भान सिंह ने बताया कि शोभा, सचिन, मुकेश गुप्ता और उसकी पत्नी के खिलाफ BNS की धारा 316(2), 305, 318(4), 123 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, यह कोई सामान्य ठगी नहीं बल्कि संगठित गिरोह का हिस्सा है, जो पहले भी कई जिलों में ऐसी वारदातें कर चुका है। पुलिस की टीमें अब आरोपियों की तलाश में बिहार और इगलास में छापेमारी कर रही हैं।

बिचौलियों के जरिए हुई थी 12 शादियां

सासनी गेट निवासी निहाल शर्मा और उनके बेटे प्रतीक शर्मा ने बताया कि उनकी पहचान इगलास के सचिन ठाकुर से हुई थी, जिसने बिहार से आई युवतियों से शादी कराने का प्रस्ताव दिया। कुल 12 युवकों ने 12 युवतियों से शादी की। प्रतीक ने बताया कि उसने बिहार की शोभा से शादी के लिए 1.20 लाख रुपये, जबकि कैलाश नगर निवासी वीर सिंह प्रेमवीर ने मनीषा के लिए 1.30 लाख रुपये बिचौलियों को दिए। शुक्रवार को सभी शादियां सचिन ठाकुर के घर पर संपन्न हुईं, जहां विधि-विधान से फेरे और पूजा हुई। रात में दुल्हनों ने करवाचौथ का व्रत रखा, चांद देखा और परिवारवालों संग व्रत खोला। इसके बाद भोजन में नशीला पदार्थ मिलाकर सभी को बेहोश कर दिया और जेवर व नकदी लेकर फरार हो गईं। सुबह घरवालों की नींद खुली तो दरवाजे खुले और अलमारियां खाली मिलीं।

व्यापार जगत

SBI की 'Empower Her' पहल: 5 साल में महिला कर्मचारियों की संख्या 30% तक बढ़ाने का लक्ष्य

एजेंसी । नई दिल्ली

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक (SBI) ने अपने कार्यबल में लैंगिक विविधता बढ़ाने और महिलाओं के नेतृत्व को सशक्त बनाने के लिए 'Empower Her' नामक नई पहल की घोषणा की है। बैंक का लक्ष्य अगले पांच वर्षों में महिला कर्मचारियों की हिस्सेदारी को 30% तक पहुंचाना है, जो वर्तमान में कुल कार्यबल में 27% है। SBI के उप प्रबंध निदेशक (मानव संसाधन) और मुख्य विकास अधिकारी किशोर कुमार पोलुदासु ने बातचीत में बताया कि अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों में महिलाएं लगभग 33% हैं, लेकिन कुल कार्यबल में यह आंकड़ा अभी कम है। इस अंतर को पाटने के लिए बैंक ने 'Empower Her' जैसी पहल शुरू की है। इस कार्यक्रम के तहत महिला कर्मचारियों के लिए संरचित नेतृत्व और कोचिंग सेशंस आयोजित किए जाते हैं, जिससे महिलाएं संगठन में नेतृत्व की भूमिकाओं में आगे बढ़ सकें। पोलुदासु ने कहा, 'हम एक ऐसा कार्यस्थल बनाना चाहते हैं जहां महिलाएं हर स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें।' 'Empower Her' पहल महिलाओं को नेतृत्व के अवसर प्रदान करने और उन्हें मार्गदर्शन देने पर केंद्रित है। इससे कार्यस्थल में लैंगिक संतुलन मजबूत होगा।'एसबीआई महिला कर्मचारियों के स्वास्थ्य और सुविधाओं पर भी विशेष ध्यान दे रहा है। इसमें स्तन और गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की जांच, गर्भवती कर्मचारियों के लिए पोषण भत्ता, टीकाकरण अभियान और कामकाजी माताओं के लिए 'क्रेश भत्ता' शामिल हैं। इसके अलावा मातृत्व अवकाश से लौटने वाली महिलाओं के लिए परिवार संपर्क और प्रशिक्षण कार्यक्रम भी संचालित किए जा रहे हैं।

महिला कर्मचारियों द्वारा संचालित शाखाएं और सुरक्षित कार्यस्थल

देश भर में SBI के 2.4 लाख से अधिक कर्मचारी हैं और 340 से अधिक शाखाएं पूरी तरह महिला कर्मचारियों द्वारा संचालित की जा चुकी हैं। बैंक ने महिला कर्मचारियों को एक समावेशी, सुरक्षित और सहयोगी कार्यस्थल प्रदान करने का संकल्प लिया है, जिससे वे अपनी पूरी क्षमता के साथ योगदान दे सकें।

नवोन्मेष और ग्राहक अनुभव पर जोर

पोलुदासु ने कहा कि बैंक आईटी विशेषज्ञ अधिकारियों और नवोन्मेषी प्रक्रियाओं के माध्यम से लगातार बदलाव और बेहतर ग्राहक अनुभव सुनिश्चित कर रहा है। इस पहल से एसबीआई वित्तीय सेवाओं के क्षेत्र में तेज़ी से हो रहे बदलावों के अनुरूप उत्तरदायी और चुस्त बना रहेगा। SBI न केवल संपत्ति के आकार में दुनिया के शीर्ष 50 बैंकों में शामिल है, बल्कि इसे कई संस्थाओं द्वारा सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता के रूप में भी मान्यता प्राप्त है। 'Empower Her' पहल के माध्यम से बैंक लैंगिक समानता और नेतृत्व में महिलाओं की भागीदारी को और सुदृढ़ करने के प्रयास कर रहा है।

टोरेंट समूह के यूएनएम फाउंडेशन ने उन्नत न्यूरो पुनर्वास केंद्र का उद्घाटन किया

एजेंसी । अहमदाबाद

टोरेंट समूह समर्थित यूएनएम फाउंडेशन ने रविवार को अहमदाबाद में 30,000 वर्ग फुट क्षेत्र में फैले एक उन्नत न्यूरो पुनर्वास केंद्र 'संकलन' का उद्घाटन किया। इस केंद्र का उद्देश्य, विशेष रूप से वंचित पृष्ठभूमि से आने वाले न्यूरोलॉजिकल विकारों से पीड़ित रोगियों को समग्र और किफायती देखभाल प्रदान करना है। समूह ने एक बयान में कहा कि 'संकलन' विज्ञान, प्रौद्योगिकी और सहानुभूति का समावेश करते हुए व्यक्तिगत, बहुविषयक चिकित्सा कार्यक्रम प्रदान करता है, जो स्ट्रोक, मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी की चोटों तथा क्षयी रोगों जैसी स्थितियों से उबरने में मरीजों की सहायता करेगा। इस केंद्र में फंक्शनल नियर-इन्फ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी (एफएनआईआरएस), गैर-आक्रामक मस्तिष्क उत्तेजना, और रोबोटिक पुनर्वास उपकरण जैसे अत्याधुनिक उपकरण मौजूद हैं। यूएनएम फाउंडेशन के स्वास्थ्य पहल प्रमुख डॉ. चैतन्य दत्त ने कहा, 'इस केंद्र का नाम 'संकलन' विभिन्न विषयों के समन्वय का प्रतीक है, जो एक साझा लक्ष्य के लिए काम कर रहे हैं। यह संकलन में न्यूरोलॉजिकल पुनर्वास के क्षेत्र में एक नए अध्याय की शुरुआत है।' टोरेंट ग्रुप की निदेशक जिनल मेहता के अनुसार यह एक प्रायोगिक परियोजना है और इसका विस्तार गुजरात के अन्य शहरों जैसे सूरत, वडोदरा, और राजकोट में और फिर पूरे देश में करने की योजना है।

90 प्रतिशत भारतीय प्रमाणित इलाज पर ज्यादा खर्च करने को तैयार: रिपोर्ट

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत में करीब 83 प्रतिशत मरीज अपने स्वास्थ्य देखभाल विकल्पों के लिए सटीक और सुलभ जानकारी चाहते हैं। दूसरी ओर करीब 90 प्रतिशत प्रमाणित गुणवत्ता वाले इलाज के लिए ज्यादा खर्च करने को तैयार है। फिक्की और ईवाई-पार्थेनन की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। इस रिपोर्ट के अनुसार भारत की स्वास्थ्य सेवाएं वैश्विक स्तर पर बहुत अच्छी हैं, लेकिन संरचनात्मक और वित्तीय दबाव यह संकेत देते हैं कि एक राष्ट्रीय गुणवत्ता मानक ढांचा तैयार किया जाना आवश्यक है, जिससे मरीज सूचित निर्णय ले सकें। इस रिपोर्ट को तैयार करने के लिए 40 शहरों के 250 अस्पतालों पर शोध किया गया। इस दौरान 1,000 से अधिक मरीजों और 100 से ज्यादा चिकित्सकों की राय ली गई। रिपोर्ट में कहा गया कि भारत में प्रति व्यक्ति अस्पताल के बिस्तरों की उपलब्धता 2000 से अब तक दोगुनी हो गई है, फिर भी यह वैश्विक मानकों की तुलना में बहुत कम है। भारत में औसतन प्रति अस्पताल केवल 25-30 बिस्तर हैं, जबकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह संख्या 100 से अधिक होती है। सर्वेक्षण में पाया गया कि लगभग 83 प्रतिशत मरीज इलाज के संबंध में निर्णय करने के लिए सटीक और आसान जानकारी चाहते हैं। इसके मुताबिक उन्हें अस्पतालों की रेटिंग या इलाज के नतीजों की भरोसेमंद जानकारी से लाभ मिल सकता है।

भारत ने 2024-25 के विपणन सत्र में 7.75 लाख टन चीनी का निर्यात किया

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत ने इस साल सितंबर तक समाप्त हुए चीनी विपणन सत्र में लगभग 7.75 लाख टन चीनी का निर्यात किया है। चीनी व्यापार संगठन ऑल इंडिया शुगर ट्रेड एसोसिएशन (एआईएसटीए) ने रविवार को यह जानकारी दी। चीनी का विपणन सत्र अक्टूबर से सितंबर तक चलता है। 2024-25 के लिए भारत में चीनी निर्यात की अनुमति 20 जनवरी 2025 को दी गई थी, जिसमें कुल 10 लाख टन चीनी निर्यात करने की मंजूरी शामिल थी। एआईएसटीए के अनुसार, मिलों ने 2024-25 के विपणन सत्र के फरवरी से सितंबर के बीच कुल 7.75 लाख टन चीनी का निर्यात किया है। इसमें इस वर्ष सितंबर तक सफेद चीनी का निर्यात 6.13 लाख टन, रिफाइंड चीनी का 1.04 लाख टन और कच्ची चीनी का 33,338 टन हुआ है। अब तक हुए कुल निर्यात में सबसे अधिक चीनी जिबूती भेजी गई है, जो 1.46 लाख टन है। इसके बाद सोमालिया को 1.35 लाख टन, श्रीलंका को 1.34 लाख टन और अफगानिस्तान को 75,533 टन चीनी निर्यात की गई है।

प्रेस्टीज ग्रुप ने गाजियाबाद में 2,200 करोड़ रुपए मूल्य के 620 घरों की बिक्री शुरू की

नई दिल्ली। रियल एस्टेट क्षेत्र की कंपनी प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स लि. ने गाजियाबाद में 620 फ्लैटों की बिक्री शुरू कर दी है, जिससे कंपनी को लगभग 2,200 करोड़ रुपए के अनुमानित राजस्व की उम्मीद है। यह पहल प्रीमियम आवासीय संपत्तियों की मजबूत मांग के बीच अपने व्यापार का विस्तार करने की कंपनी की रणनीति का हिस्सा है। इस वर्ष अप्रैल में बेंगलुरु की प्रेस्टीज एस्टेट्स ने उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में 62.5 एकड़ में फैली टाउनशिप परियोजना शुरू करके दिल्ली-एनसीआर बाजार

में प्रवेश किया था। अपनी टाउनशिप परियोजना 'द प्रेस्टीज सिटी, इंदिरापुरम' के पहले चरण में प्रेस्टीज एस्टेट्स ने ओकवुड और मलबरी नामक दो आवासीय परियोजनाएं शुरू की थीं, जिनमें 3,421 इकाइयां शामिल थीं, जिनका कुल बिक्री मूल्य लगभग 9,000 करोड़ रुपए था। कंपनी ने पहले चरण में पेश की गई लगभग सभी इकाइयां बेच दी हैं और अब दूसरे चरण 'मेफ्लावर' को पेश किया है, जिसमें 620 इकाइयां शामिल हैं। प्रेस्टीज ग्रुप के वरिष्ठ कार्यकारी उपाध्यक्ष (आवासीय), प्रवीर श्रीवास्तव ने कहा कि इस नए चरण का कुल अनुमानित सकल विकास मूल्य (जीडीवी) लगभग 2,200 करोड़ रुपए है। यह टाउनशिप राष्ट्रीय राजमार्ग 24 पर इंदिरापुरम एक्सटेंशन में 62.5 एकड़ में फैली हुई है।

दिल्ली टेस्ट : तीसरे दिन का खेल खत्म

फॉलोऑन खेलते हुए वेस्टइंडीज ने 2 विकेट पर बनाए 173 रन

भारत से अब भी 97 रन पीछे है वेस्टइंडीज

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत और वेस्टइंडीज के बीच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन का खेल खत्म हो गया है। वेस्टइंडीज की टीम ने दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी (फॉलोऑन) में 2 विकेट खोकर 173 रन बना लिए हैं। जॉन कैंपबेल 87 और शाई होप 66 रन बनाकर नाबाद हैं। टीम अब भी भारत से 97 रन पीछे है। भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी पांच विकेट पर 518 रन बनाकर घोषित की थी। जवाब में वेस्टइंडीज की पहली पारी 248 रन पर सिमट गई, जिससे भारत ने 270 रन की बढ़त लेने के बाद वेस्टइंडीज की टीम को फॉलोऑन खेलने दिया था।

वेस्टइंडीज की टीम को 17 के स्कोर पर लगा पहला झटका

फॉलोऑन खेलते हुए वेस्टइंडीज की टीम को 17 के स्कोर पर पहला झटका लगा। मोहम्मद सिराज ने तेजनारायण चंद्रपॉल को गिल के हाथों कैच कराया। वेस्टइंडीज की टीम का 35 के स्कोर पर एलिक एथनाजे के रूप में दूसरा विकेट गिरा। चंद्रपॉल ने 10 रन और एथनाजे ने सात रन बनाए। दो विकेट जल्दी गिरने के बाद कैंपबेल और होप ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने 138 रन की नाबाद साझेदारी कर स्कोर 2 विकेट पर 173 रन पहुंचा दिया। तीसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद कैंपबेल 145 गेंदों में 87 और होप 103 गेंदों का सामना करते हुए 66 रन बनाकर नाबाद हैं। मेहमान टीम अब भी भारत से पहली पारी के आधार पर 97 रन पीछे है। वेस्टइंडीज की पहली पारी 248 रन पर सिमटी इससे पहले आज लंच के बाद वेस्टइंडीज की पहली पारी 248 रन पर सिमट गई थी। टीम के लिए एलिक एथनाजे ने सबसे रन बनाए। उन्होंने 84 गेंदों में 41 रन बनाए। इसके अलावा होप ने 57 गेंदों में 36 रन, चंद्रपॉल ने 34, खेरी पियरे ने 23, तेविन इमलाच 21, जस्टिन ग्रीव्स 17, जॉन कैंपबेल 10 और एंडरसन फिलिप नाबाद 24 रन बनाए। भारत की ओर से कुलदीप यादव ने 5 विकेट लिए, जबकि रविन्द्र जडेजा ने 3 विकेट, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज ने एक-एक विकेट लिया।

भारत ने पहली पारी 518 रन पर की थी घोषितभारतीय टीम ने अपनी पहली पारी 5 विकेट पर 518 रन बनाकर घोषित की थी। कप्तान शुभमन गिल ने 129 रन की नाबाद पारी खेलते हुए अपने टेस्ट करियर का 10वां शतक जड़ा था। यशस्वी जायसवाल ने 175 रन की उत्कृष्ट पारी खेली थी। जायसवाल और गिल के अलावा साई सुदर्शन ने 87 रन, ध्रुव जुरेल 44 रन, नीतीश कुमार रेड्डी 43 रन और केएल राहुल ने 38 रन की पारी खेली। वेस्टइंडीज की ओर से पहली पारी में जोमेल वारिकन ने 3 और रॉस्टन चेज ने एक विकेट लिया। भारत और वेस्टइंडीज के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का यह दूसरा मुकाबला खेला जा रहा है। सीरीज में भारतीय टीम पहला मैच जीतकर 1-0 से आगे है।

सुल्तान ऑफ जोहोर कप 2025

भारत ने न्यूजीलैंड को 4-2 से हराया

नई दिल्ली। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने रविवार को सुल्तान ऑफ जोहोर कप 2025 में अपने दूसरे मुकाबले में न्यूजीलैंड को 4-2 से हराकर जीत दर्ज की। मलेशिया के जोहर बाहरू में खेली जा रही प्रतियोगिता में भारतीय टीम की ओर से अर्शदीप सिंह (2वें मिनट), पीबी सुनील (15वें मिनट), अराइजीत सिंह हुंडल (26वें मिनट) और रोमन कुमुर (47वें मिनट) ने गोल किए। न्यूजीलैंड के लिए गस नेल्सन (41वें मिनट) और ऐडन मैक्स (52वें मिनट) ने गोल किए।

पहले मैच में ग्रेट ब्रिटेन को 3-2 से हराकर अपने अभियान की विजयी शुरुआत करने के बाद भारतीय टीम ने टूर्नामेंट के अपने दूसरे मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ ठोस शुरुआत के साथ अपनी गति को बनाए रखा। भारतीय जूनियर टीम के लिए पहला गोल पहले क्वार्टर के दूसरे मिनट में ही आ गया, जब अर्शदीप सिंह ने न्यूजीलैंड के डिफेंस के भेदते हुए गोल दागा। क्वार्टर के आखिरी मिनट में भारत ने अपनी बढ़त दोगुनी कर दी। पीबी सुनील ने 15वें मिनट में एक बेहतरीन गोल किया। 2-0 की बढ़त के साथ भारत ने दूसरे क्वार्टर में भी आक्रामक खेल दिखाया। अराइजीत ने 26वें मिनट में गोल कर भारत की बढ़त 3-0 कर दी।

न्यूजीलैंड ने तीसरे क्वार्टर में वापसी करते हुए 41वें मिनट में गस नेल्सन के गोल से स्कोर 3-1 कर दिया। हालांकि, भारत के रोसन कुमुर ने 47वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर के माध्यम से गोल करके भारत को 4-1 की बढ़त दिला दी। 52वें मिनट में ऐडन मैक्स ने न्यूजीलैंड के लिए एक गोल किया और स्कोर 4-2 हो गया।

न्यूज ब्रीफ

शॉटगन विश्व चैंपियनशिप में कोई भी भारतीय स्कीट फाइनल में नहीं पहुंचा

एथेंस। भारत के लिए कोई भी निशानेबाज रविवार को यहां आईएसएसएफ विश्व शॉटगन चैंपियनशिप की पुरुष और महिला स्कीट स्पर्धाओं के व्यक्तिगत फाइनल में जगह नहीं बना सका। महिला स्कीट में रायजा ढिल्लों सर्वश्रेष्ठ भारतीय रहीं जिन्होंने 58 निशानेबाजों में 125 में से 116 अंक हासिल करके 16वां स्थान हासिल किया। लेकिन उनका स्कोर छह निशानेबाजों के फाइनल में जगह बनाने के लिए जरूरी 119 के कट-ऑफ अंक से तीन अंक कम था। परिनाज धालीवाल और गनीमत सेखों ने 110-110 के समान स्कोर के साथ क्रमशः 44वें और 47वें स्थान पर रहीं जिससे भारत 12 प्रतिभागी देशों की टीम तालिका में आठवें स्थान पर रहा।

पुरुषों की स्कीट स्पर्धा में भवतेग सिंह गिल ने 125 में से 119 अंक हासिल किए और 116 प्रतियोगियों के बीच 38वें स्थान पर रहे। अनुभवी निशानेबाज मैराज अहमद खान 117 अंक के साथ 53वें स्थान पर जबकि अनंत जीत सिंह नरुका 115 अंक के साथ 83वें स्थान पर रहे। पुरुषों के फाइनल के लिए कट ऑफ अंक 122 थे। भारत की पुरुष टीम 27 देशों में 16वें स्थान पर रही।

73 पारियों और 31 महीने बाद भी शतक का इंतजार

लाहौर। पाकिस्तान और साउथ अफ्रीका के बीच खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के पहले दिन मेजबान टीम के बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन टीम के स्टार बल्लेबाज बाबर आजम फिर से शतक से चूक गए। इंटरनेशनल क्रिकेट में 947 दिन बाद वापसी करने वाले साउथ अफ्रीकी गेंदबाज साइमन हार्मर ने बाबर को पवेलियन भेजा। इस हार के साथ बाबर आजम का शतक ठोकने का इंतजार और लंबा हो गया।

पाकिस्तान के कप्तान शान मसूद के आउट होने के बाद बाबर आजम बल्लेबाजी के लिए आए। शुरुआत में उन्होंने कुछ बेहतरीन शॉट्स खेले, लेकिन हार्मर के स्पिन गेंदबाज़ी के सामने वे टिक नहीं पाए। 48 गेंदों में 4 चौकों की मदद से केवल 23 रन बनाने के बाद बाबर एलबीडब्ल्यू आउट हुए। इस पारी के साथ उनका शतक ठोकने का इंतजार 73 पारियों और 31 महीनों तक चला। बाबर आजम ने आखिरी बार 30 अगस्त 2023 को नेपाल के खिलाफ इंटरनेशनल मैच में शतक बनाया था। इसके बाद अब तक उन्होंने 73 पारियां खेलीं—जिसमें 29 वनडे, 23 T20I और 21 टेस्ट पारियां शामिल हैं—लेकिन कोई शतक नहीं ठोक पाए। बाबर आजम टेस्ट फॉर्मेट में पिछले तीन सालों में शतक लगाने में नाकाम रहे हैं।

स्मृति मंधाना ने महिला ODI क्रिकेट में रचा इतिहास

विशाखापट्टनम। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप-कप्तान और स्टार ओपनर स्मृति मंधाना ने एक बार फिर महिला क्रिकेट इतिहास में अपनी छाप छोड़ी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ICC विमेंस वर्ल्ड कप 2025 के मैच में शानदार पारी खेलते हुए मंधाना ने इस साल महिला ODI क्रिकेट में 1000 रन पूरे करने वाली पहली बल्लेबाज बनने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। विशाखापट्टनम में 12 अक्टूबर को हुए मुकाबले में टीम इंडिया पहले बैटिंग के लिए उतरी। शुरुआती तीन मैचों में बल्ला नहीं चलने के बावजूद मंधाना ने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के सामने अपनी कूटनीति दिखाई। उन्हें केवल 18 रन की जरूरत थी, जिसे उन्होंने 8वें ओवर में 2 चौकों और 1 छक्के की मदद से पूरा किया। इस तरह मंधाना ने महिला वनडे क्रिकेट में एक कैलेंडर ईयर में 1000 रन बनाने वाली पहली खिलाड़ी बनकर नया कीर्तिमान स्थापित किया। इस साल उनके नाम 18 पारियों में 4 शतक और 4 अर्धशतक शामिल हैं।

वनडे में सबसे तेज 5000 रन

स्मृति मंधाना ने केवल यहीं नहीं रुकीं। इस मैच में उन्होंने 46 गेंदों में अपना पहला अर्धशतक भी पूरा किया। जैसे ही उनके स्कोर ने 58 रन का आंकड़ा छुआ, मंधाना महिला वनडे क्रिकेट में 5000 रन पूरे करने वाली सबसे युवा और सबसे तेज बल्लेबाज बन गईं। उन्होंने यह उपलब्धि केवल 112 पारियों और 5569 गेंदों में हासिल की, वेस्टइंडीज की स्टेफनी टेलर और न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स के रिकॉर्ड तोड़ते हुए।

शतक से चूक, पर रिकॉर्ड जारी

हालांकि, मंधाना ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शतक लगाने में सफल नहीं हो पाईं। उन्होंने 66 गेंदों में 80 रन की विस्फोटक पारी खेली, जिसमें 9 चौके और 3 छक्के शामिल थे। इसी पारी में उन्हें 1000 वनडे रन के आंकड़े तक पहुँचने में केवल 4 रन की कमी रह गई। फिलहाल उनके नाम 20 पारियों में 996 रन दर्ज हैं, जिसमें 4 शतक और 6 अर्धशतक शामिल हैं।

बॉलीवुड

70वें फिल्मफेयर 2025 में 'लापता लेडीज' का दबदबा

बॉलीवुड की सबसे चमचमाती रात 70वें फिल्मफेयर अवॉर्ड्स 2025 इस बार गुजरात की धरती पर, अहमदाबाद में पूरी शान-ओ-शौकत से आयोजित हुई। सितारों से सजा रेड कार्पेट, चमकते कैमरे और दमकते चेहरे हर तरफ ग्लैमर और ग्रैंडनेस का नजारा था। देशभर के सिनेप्रेमी इस रात का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे थे, और कार्यक्रम ने हर उम्मीद पर खरा उतरते हुए बॉलीवुड के लिए एक यादगार शाम बना दी।

शाहरुख की वापसी से सजा मंच

इस बार की सबसे बड़ी हाइलाइट रहे शाहरुख खान, जिन्होंने पूरे 17 साल बाद फिल्मफेयर के मंच पर होस्ट के रूप में वापसी की। अपने सिग्नेचर चार्म और ह्यूमर से उन्होंने शो को यादगार बना दिया। किंग खान की एंट्री पर दर्शकों ने स्टैंडिंग ओवेशन दिया और सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें तुरंत वायरल हो गईं।

आलिया भट्ट और अभिषेक बच्चन ने जीते दिल

कृति सेनन ने दी जीनत अमान को श्रद्धांजलि

अभिनेत्री कृति सेनन ने इस साल फिल्मफेयर के मंच पर एक खास परफॉर्मेंस दी, जो पूरी तरह से जीनत अमान को समर्पित थी। 70 के दशक की इस एवरग्रीन स्टार को श्रद्धांजलि देते हुए कृति ने स्टेज पर नॉस्टैल्जिया और एलिगेंस का खूबसूरत संगम पेश किया। उनके इस ट्रिब्यूट ने दर्शकों की आंखें नम कर दीं और दिलों में पुरानी यादें ताज़ा कर दीं।

लाइफटाइम अचीवमेंट और सिने आइकॉन अवॉर्ड्स

इस बार लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से जीनत अमान और श्याम बेनेगल को सम्मानित किया गया। वहीं सिने आइकॉन अवॉर्ड मिला भारतीय सिनेमा के महान कलाकारों नूतन, मीना कुमारी, काजोल, श्रीदेवी, जया बच्चन, अमिताभ बच्चन, बिमल रॉय, शाहरुख खान, करण जौहर और रमेश सिप्पी (शोले) को समर्पित किया गया।

'लापता लेडीज' का दबदबा

इस साल फिल्मफेयर अवॉर्ड्स का सबसे बड़ा विजेता बना किरण राव निर्देशित 'लापता लेडीज', जिसने कई प्रमुख कैटेगरीज में बाजी मारी। बेस्ट फिल्म (लापता लेडीज), बेस्ट डायरेक्टर (किरण राव), बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर (रवि किशन) बेस्ट एक्ट्रेस (क्रिटिक) (प्रतिभा रांटा) इसके अलावा फिल्म ने बेस्ट म्यूजिक एल्बम, बेस्ट लिरिक्स, बेस्ट स्क्रीनप्ले, बेस्ट डायलॉग, बेस्ट कॉस्ट्यूम, बेस्ट बैकग्राउंड स्कोर, बेस्ट फीमेल डेब्यू और बेस्ट प्लेबैक सिंगर जैसी कई कैटेगरीज में भी अवॉर्ड्स अपने नाम किए, जिससे यह शाम 'लापता लेडीज' के नाम रही।

आलिया भट्ट की अदाकारी को मिला सलाम

आलिया भट्ट ने फिल्म 'जिगरा' के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का खिताब अपने नाम किया। भले ही फिल्म बॉक्स ऑफिस पर खास प्रदर्शन नहीं कर पाई, लेकिन आलिया के दमदार अभिनय ने उन्हें यह सम्मान दिलाया। वहीं राजकुमार राव को फिल्म 'श्रीकांत' के लिए बेस्ट एक्टर (क्रिटिक) का अवॉर्ड मिला। नवोदित निर्देशकों में कुणाल खेमू (मडगांव एक्सप्रेस) और आदित्य सुहास जंभाले (आर्टिकल 370) को सम्मानित किया गया।

संगीत और नृत्य की महफिल

बेस्ट कोरियोग्राफी का पुरस्कार बॉस्को-सीज़र को 'बैड न्यूज़' के सुपरहिट गाने 'तौबा तौबा' के लिए मिला। वहीं बेस्ट फीमेल प्लेबैक सिंगर बनीं मधुबंती बागची, जिन्होंने 'स्त्री 2' के गाने 'आज की रात' से दर्शकों का दिल जीत लिया।

कुल मिलाकर, 70वां फिल्मफेयर अवॉर्ड्स 2025 न सिर्फ एक समारोह था, बल्कि यह भारतीय सिनेमा की भव्यता, विविधता और भावनाओं का उत्सव बन गया। शाहरुख खान की करिश्माई होस्टिंग, कृति सेनन का दिल छू लेने वाला ट्रिब्यूट, और 'लापता लेडीज' की ऐतिहासिक जीत ने इसे आने वाले सालों तक यादगार बना दिया।

अभिषेक बच्चन और कार्तिक आर्यन बने बेस्ट एक्टर

इस बार बेस्ट एक्टर अवॉर्ड में देखने को मिला एक दिलचस्प ट्विस्ट अभिषेक बच्चन को उनकी इमोशनल ड्रामा फिल्म 'आई वांट टू टॉक' के लिए और कार्तिक आर्यन को स्पोर्ट्स-बायोपिक 'चंदू चैंपियन' के लिए संयुक्त रूप से सम्मानित किया गया। दोनों ने मंच पर एक-दूसरे को गले लगाकर इस पल को यादगार बना दिया। वहीं 'किल' ने बेस्ट डेब्यू मेल (लक्ष्य लालवानी), बेस्ट एक्शन, बेस्ट एडिटिंग और बेस्ट साउंड डिजाइन की श्रेणियों में दमदार जीत दर्ज की। 'मुंज्या' को मिला बेस्ट वीएफएक्स, जबकि 'आई वांट टू टॉक' ने बेस्ट फिल्म (क्रिटिक) और बेस्ट एडेप्टेड स्क्रीनप्ले का सम्मान जीता।

'नो एंट्री 2' पर लगा ग्रहण

दिलजीत के बाद वरुण धवन हुए बाहर

बोनी कपूर ने लंबे समय पहले 'नो एंट्री' के सीक्वल का ऐलान कर दिया था, लेकिन उनकी ये पिक्चर बनती नहीं दिख रही है। जब सीक्वल की घोषणा हुई तो दर्शक उत्साहित हो उठे। मालूम चला कि नई किस्त थी, लेकिन उससे पहले ही कुछ ऐसा हो गया, जिससे से फिल्म लटकती नजर आ रही है। पहले दिलजीत दोसांझ ने फिल्म से किनारा किया और अब खबर है कि वरुण ने ये फिल्म छोड़ दी है।

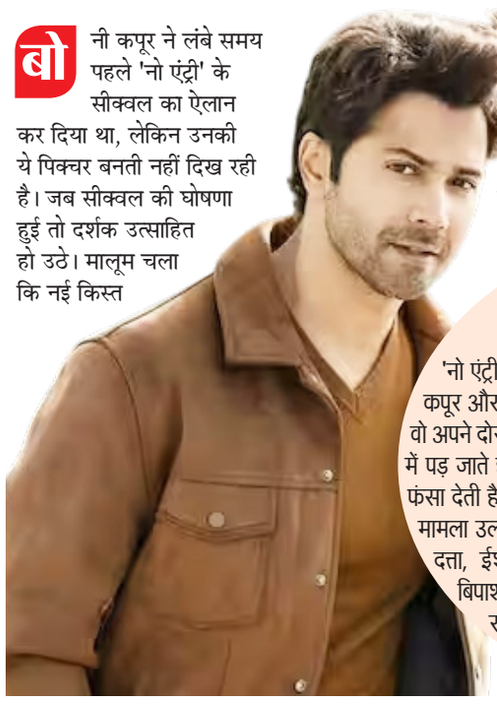

'नो एंट्री' की कहानी और कलाकार

'नो एंट्री' की कहानी 2 शादीशुदा मर्दों (अनिल कपूर और फरदीन खान) के इर्द-गिर्द घूमती है। वो अपने दोस्त प्रेम (सलमान) की वजह से मुसीबत में पड़ जाते हैं, जब वह उन्हें एक तवायफ के साथ फंसा देती है। इसके बाद झूठ और गलतफहमी से मामला उलट-पलट जाता है। पहले भाग में लारा दत्ता, ईशा देओल और सेलिना जेटली थीं। बिपाशा बसु का कैमियो भी था। 'नो एंट्री' साल 2002 में आई तमिल फिल्म 'चार्ली चैपलिन' का हिंदी रीमेक थी।

को नए कलाकारों के साथ बनाया जा रहा है। अर्जुन कपूर, दिलजीत दोसांझ और वरुण धवन का नाम तय किया गया। अगले कुछ समय में शूटिंग शुरू होनी थी कि उससे पहले ही वरुण ने फिल्म से कन्नी काट ली। अगले कुछ समय से 'नो एंट्री 2' की शूटिंग शुरू होनी रिपोर्ट के मुताबिक, 'नो एंट्री 2' से जुड़े सूत्रों का कहना है कि वरुण ने इससे अपने कदम पीछे खींच लिए हैं। सूत्रों की मानें तो वरुण ने ये कदम अपनी दूसरी फिल्मों की तारीखों में हो रहे टकराव की वजह से उठाया है।

ईशा बनी हैंडबॉल प्रो लीग 2026 की ब्रांड एंबेसडर

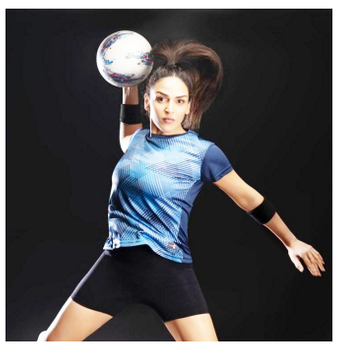

बॉलीवुड की दमदार एक्ट्रेस ईशा देओल अब खेल के मैदान में भी दिखाएंगी अपना जलवा! उन्हें हैंडबॉल प्रो लीग की आधिकारिक ब्रांड एंबेसडर घोषित किया गया है। यह शानदार लीग फरवरी 2026 में नागपुर में होने जा रही है। कम ही लोग जानते हैं कि ईशा खुद अपने स्कूल के दिनों में स्टेट-लेवल हैंडबॉल प्लेयर रह चुकी हैं, यानी ये सिर्फ ब्रांडिंग नहीं, बल्कि एक दिल से जुड़ा हुआ रिश्ता है। ईशा की ये नई पारी देशभर में हैंडबॉल को नया जोश और पहचान देने वाली है, खासकर यंग एथलीट्स और महिला खिलाड़ियों के बीच।

स्वाद

ज्योति अग्रवाल (IRS)

स्नातक (B.Sc) एवं परास्नातक (M.A) की शिक्षा प्राप्त की है तथा राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (NET) उत्तीर्ण की है। राज्य सेवा एवं केंद्रीय सेवा में कार्य करने का व्यापक अनुभव है। वर्तमान में अतिरिक्त आयुक्त, सीमा शुल्क, मुंबई के पद पर कार्यरत हैं।

स्थान

सेसिलिया शरणालय, कार्टर सड़क के पास, शर्ली, पाली पहाड़ी, बांद्रा, मुंबई

प्रकार

पूर्णत : शाकाहारी वातावरण

अतिथि सत्कार

औसत खर्च

2000 (दो व्यक्तियों के लिए)

पाश : सादगी, सुंदरता, स्वाद और सकून से भरा एक रेस्टोरेंट

हमने मुंबईकरों को स्वाद से परिचित कराने का बीड़ा उठाया और शहर के विविध इलाकों में जाकर स्वाद तलाशने लगे। किसी ने हमें बताया कि यदि आप वेजिटेरियन हैं और बांद्रा की तरफ कहीं सकूं से कुछ पल बिताते हुए स्वाद का चटकारा लेना चाहते हैं तो पाश (Paash) एक ऐसी जगह है जो आपको सकून और स्वाद से भर सकता है। तो हम पहुंच गए वहां...

बांद्रा की गलियों में छिपा सुकून का कोना

पाश कार्टर सड़क की भीड़-भाड़ से कुछ दूर, एक बंगले में स्थित यह भोजनालय पुराने ज़माने के एक सुंदर बंगले में बना है। जब हम यहां पहुंचे तो पहली दृष्टि में ही मन प्रसन्न हो गया — बालकनियों से झांकती हरी लताएं, खिड़कियों से छनकर आती धूप, और दीवारों की सौंधी गंध ने हमारे मन को शांत कर दिया। ऐसा लगा जैसे महानगर की दौड़ थम-सी गई हो।

निचली मंजिल पर ताज़ा पके केक और कॉफी (Coffee) की सुगंध वातावरण को अलग सुगंध से भर देती है। यहां कुछ मेज़ें हैं, जहां आप जल्दी से कुछ खाकर विश्राम कर सकते हैं। ऊपरी मंज़िल की संकरी सीढ़ियां चढ़ते ही सजावट को देखकर ऐसा लगता है, मानो किसी कहानी के पृष्ठ खुल रहे हों। यहां के आधे हिस्से में एक छोटा वस्त्र-विक्रय केंद्र है, जहां हस्तनिर्मित वस्त्र और चीनी मिट्टी से बने बर्तन मिलते हैं। बचे हुए आधे हिस्से में बना है यह रेस्टोरेंट, जो इतनी सहजता से डिजाइन किया गया है, जैसे यह किसी कलाकार की बैठक हो। आधुनिक चमक-दमक से बचते हुए इसे सादगी, हरियाली और पुराने लकड़ी के फर्नीचर से सजाया गया है।

सेवा–आत्मीयता से भरा सत्कार

यहां का स्टाफ बहुत ही विनम्र हैं, ये हर पल आपका ख्याल रखते हैं। वे हर पकवान को विस्तार से समझाते हैं, आपकी रुचि के अनुसार सुझाव देते हैं। मुख्य रसोइया श्रीनतीश सुनील पनवलकर स्वयं प्रत्येक मेज़ तक आकर अतिथियों से प्रतिक्रिया लेते हैं। उन्होंने भारतीय चटपटे व्यंजनों को आधुनिक ढंग से परोसकर मेनू को एक नया जीवन दिया है।

अच्छे मनोभाव से परोसा अच्छा भोजन

बांद्रा के इस शाकाहारी स्वर्ग में जो मिलता है — वह केवल पेट भरने का साधन नहीं, बल्कि आत्मा को तृप्त करने वाला अनुभव है। एक बार जाइए — और अगली बार लौटने की कोई वजह ढूंढने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

- ताजगी से भरपूर सलाद (Flower Power salad) भी बहुत सुंदर था — रंग-बिरंगे, पत्ते और हल्की सी चटपटाहट के साथ।
- दाल पखवान नाचोज़ (Dal Pakwan Nachos) एक नया प्रयास था — सिंधी पद्धति की दाल को कुरकुरे भुजिया जैसे पपड़ी के साथ परोसा गया। यद्यपि यह प्रयोग भी काफी अच्छा था, पर स्वाद में यह अन्य व्यंजनों से कुछ कमतर लगा।
- मुख्य पकवान के रूप में आया —मौसमी सब्ज़ियों का क्रापाओ चिपचिपे चावल के साथ (Seasonal Veg Krapo with Sticky rice) इसमें थाई स्वाद और भारतीय मसालों का सुंदर संयोग था — न तेज़, न फीका — एकदम संतुलित।
- और फिर आईं मिठाईयां — बिना मैदे वाला बादाम और चॉकलेट का केक (Choclate and Almond Flourless cake) और खट्टी चेरी (Sour cherry cheesecake) का मलाईदार मिष्ठान्न। दोनों ही मिठास और संतुलन का अद्भुत उदाहरण थीं। गरम काढ़े के साथ इनका स्वाद मन को भीतर तक छू गया।
- एकमात्र कमी — परोसने की मात्रा अपेक्षाकृत कम है। किंतु जब स्वाद इतना उत्कृष्ट हो, तो यह बात नगण्य प्रतीत होती है।

आत्मिक एकांत के लिए उपयुक्त

Paash केवल भोजनालय नहीं है — यह एक अनुभव है। यहां बैठकर पुस्तक पढ़िए, संवाद की लंबी श्रृंखलाएं चलाइए या केवल खिड़की से आती हवा को महसूस कीजिए — हर कोना आपका स्वागत करता, आपको आकर्षित करता नजर आता है। यह रेस्टोरेंट उन लोगों के लिए है जो भोजन में स्वाद के साथ-साथ सुकून भी तलाशते हैं।

शाकाहारी स्वाद का नया रूप

यदि आप शाकाहारी हैं, तो यह स्थान आपके लिए किसी स्वप्न से कम नहीं। यदि आप मानते हैं कि शाकाहारी भोजन केवल उबला हुआ या साधारण होता है, तो पाश आपकी धारणा बदल देगा। अच्छे खाने की तलाश में हम यहां पहुंच गए, हमारे भोजन का प्रारंभ हुआ – कुलीथ सार (Kuilth Saar) और चियांग माई सूप (Chiang Mai Soup) से। कुलीथ अर्थात गहत की दाल का पतला झोल — हल्का, पौष्टिक और देशी स्वाद से भरपूर। वहीं चियांग माई सूप में थाई शैली की गरमाहट और मलाईपन का सुंदर मिश्रण था। हमारी शुरुआत शानदार रही। इसके बाद हमने मंगाया जंगली कुकुरमुत्ता कुरकुरी मसूर की टिक्की (Wild Mushroom Crispy Puy Lentil Tartine) मिट्टी जैसी सौन्धी महक और कुरकुरेपन से भरपूर। इसका स्वाद सभी के मन को भा गया, और यह थाली की शोभा बन गई।

कुल मूल्यांकन

वातावरण : ☆☆☆☆☆

भोजन : ☆☆☆☆

सेवा : ☆☆☆☆☆

मूल्य का औचित्य : ☆☆☆

यदि आप सादगी, सुंदरता, स्वाद और सुकून की खोज में हैं, तो पाश आपके लिए एक आदर्श ठिकाना है।

पाक-अफगान सीमा पर तनाव, स्पिन बोलदाक-चमन क्रॉसिंग पूरी तरह बंद

एजेंसी । इस्लामाबाद

अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच स्पिन बोलदाक-चमन सीमा पार बिंदु को पूरी तरह बंद कर दिया गया है। रक्षा सुरक्षा सूत्रों के मुताबिक, अफगान सुरक्षा बलों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। यह सीमा बिंदु दोनों देशों के बीच सबसे व्यस्त व्यापार और आवाजाही मार्गों में से एक है। इसके बंद होने से सामान्य

सीमा पर झड़पें और गोलीबारी

अफगानिस्तान ने दावा किया कि उसने पाकिस्तान के 58 सैनिकों को मार गिराया और सीमा पर कई चौकियों पर कब्जा किया। दोनों देशों की सेनाओं के बीच झड़पों और गोलीबारी की खबरों के बाद क्षेत्र में हालात लगातार तनावपूर्ण बने हुए हैं। अफगान सुरक्षा बलों की तैनाती को और मजबूत किया गया है ताकि किसी भी अप्रत्याशित स्थिति से निपटा जा सके।

आम नागरिकों के लिए मुश्किलें

स्पिन बोलदाक-चमन बॉर्डर के बंद होने से सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले आम लोगों को बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। स्थानीय लोग व्यापार, चिकित्सा और पारिवारिक कारणों से अक्सर दोनों देशों की यात्रा करते हैं। फिलहाल सीमा खोलने की कोई संभावना नहीं दिखाई दे रही है।

पाकिस्तानी सैनिक बंधक

अफगानिस्तान ने शनिवार देर रात पाकिस्तान पर हमला कर सात पाकिस्तानी सैनिकों को बंधक बना लिया। पाकिस्तान ने इससे पहले गुरुवार को अफगानिस्तान पर मिसाइल से हमला किया था। इसके जवाब में तालिबानी शासन ने कार्रवाई की।

विवाद का मूल: TTP

दोनों देशों के बीच विवाद की सबसे बड़ी वजह तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (TTP) है। पाकिस्तान का आरोप है कि अफगानिस्तान आतंकवादियों को पनाह देता है। इसी के चलते दोनों देशों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला लगातार जारी है।

अफगान विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी ने दिया हर सवाल का जवाब

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी अपने सात दिवसीय दौरे पर भारत आए हुए हैं। रविवार को दिल्ली स्थित अफगानिस्तान एंबेसी में उन्होंने पत्रकारों से रूबरू होकर महिलाओं की शिक्षा, पाकिस्तान, अमेरिका और व्यापार संबंधी मुद्दों पर अपने विचार साझा किए। इस बार महिला पत्रकारों को भी प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाग लेने का अवसर मिला। विदेश मंत्री ने कहा कि उन्होंने भारत के विदेश मंत्री से मिलकर दोबारा विकास कार्यों और अधूरे प्रोजेक्ट्स को पूरा करने की योजना बनाई है। स्वास्थ्य क्षेत्र में सहयोग बढ़ाया जाएगा और दिल्ली-काबूल फ्लाइट चलाने का प्रस्ताव रखा गया। उन्होंने भारत-अफगानिस्तान के बीच व्यापार बढ़ाने के लिए ज्वाइंट कमेटी

बनाने, वीज़ा सुविधाओं में सुधार और निवेश के लिए निमंत्रण देने की घोषणा की। महिलाओं की शिक्षा के सवाल पर मुत्ताकी ने कहा कि अफगानिस्तान में 1 करोड़ छात्राएं पढ़ रही हैं, जिनमें 28 लाख लड़कियां शामिल हैं। धार्मिक मदरसों में भी शिक्षा उपलब्ध है।

दलित IPS के परिवार के लिए इंसाफ की लड़ाई

पंजाब की सड़कों पर AAP ने किया मोर्चा

एजेंसी । चडीगढ़

पंजाब में आम आदमी पार्टी (AAP) दलित आईपीएस अधिकारी वाई. पूरन कुमार के परिवार को न्याय दिलाने के लिए जनता के समर्थन में सड़कों पर उतरी है। परिवार को न्याय न मिलने और हरियाणा की भाजपा सरकार की खामोशी ने राज्य में जनभावना को जागृत कर दिया है। AAP ने स्पष्ट किया है कि यह मामला केवल एक अफसर की मौत का नहीं है, बल्कि न्याय, समानता और सामाजिक सम्मान की लड़ाई है। पूरण कुमार, जो दलित समाज से आने वाले वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी थे, ने हाल ही में आत्महत्या कर ली। उनके परिवार ने लगातार न्याय के लिए संघर्ष किया है। पोस्टमार्टम और अंतिम संस्कार में देरी ने यह दिखाया कि सत्ता तंत्र ने एक दलित अफसर की मौत को दबाने की कोशिश की। अब AAP इस मुद्दे को जनआंदोलन में बदल रही है।

देश के युवाओं से केंद्रीय शिक्षा मंत्री की अपील

⏭ विकसित भारत बिल्डथॉन 2025 में भाग लें

⏭ भर लो उड़ान, छू लो आसमान

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने रविवार को देश के युवाओं से 'विकसित भारत बिल्डथॉन 2025' में हिस्सा लेने की खास अपील की। उन्होंने कहा कि देशभर में क्लासरूम बदलाव की सबसे बड़ी प्रयोगशालाएं बन रही हैं, जहां आइडियाज इनोवेशन में बदलते हैं।

राष्ट्रीय स्तर पर युवा शक्ति का उत्सव

प्रधान ने बताया कि यह धड़कन 13 अक्टूबर को सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक पूरे देश में गूंजेगी, जब भारत के युवा दिमाग विकसित भारत बिल्डथॉन 2025 के लिए एकजुट होंगे।

आश्रम से परिक्रमा मार्ग पर आए संत प्रेमानंद महाराज

एजेंसी । वृंदावन

संत प्रेमानंद महाराज की एक झलक पाने के लिए लोग आतुर रहते हैं। उनकी प्रसिद्धि इतनी बढ़ गई है कि सोशल मीडिया से लेकर उनके आश्रम तक उनके अनुयायियों की भीड़ दिखाई देती है। कई दिनों से स्थगित पदयात्रा को पुनः शुरू होने का इंतजार देख रहे लोगों के लिए यह खुशखबरी है। रविवार सुबह करीब तीन बजे महाराज आश्रम से बाहर आए और पैदल यात्रा करते ही परिक्रमा मार्ग में गए।

बेताब दिखे श्रद्धालु

अल सुबह श्री राधे हित केलिकुंज आश्रम से परिक्रमा मार्ग तक रमणरेती चौकी के पास तक पदयात्रा पर निकले तो महाराज को देखते ही राह तक लोगों ने उनके देखते ही प्रणाम किया और राधा नाम का जयकारा लगाया। महाराज ने सभी का अभिवादन स्वीकारा। संत के आने से पहले ही लोग उनके आश्रम से लेकर परिक्रमा मार्ग तक सड़क के दोनों ओर खड़े हो गए थे। यूं मानो कि संत प्रेमानंद महाराज से पदयात्रा तो की, लेकिन मार्ग का दायरा सिमट गया।

एकांतिक वार्तालाप थी जारी

संत प्रेमानंद महाराज के स्वास्थ्य का हवाला देते हुए पिछले दिनों श्री राधेहित केलिकुंज आश्रम की ओर से यह पत्र सोशल मीडिया पर जारी किया गया था कि उनके स्वास्थ्य कारणों के कारण पदयात्रा कुछ दिन स्थगित रहेगी। लेकिन इस दौरान एकांतिक वार्तालाप जारी रही। लेकिन इस दौरान कुछ फर्जी और पुरानी वीडियो ने महाराज के स्वास्थ्य लेकर लोगों में महाराज के प्रति चिंताएं पैदा कर दीं। उनमें आस्था रखने वाले लोग दौड़कर उनसे मिलने आने लगे। इस बीच महाराज ने एकांतिक वार्तालाप में अपने स्वस्थ्य होने बात कही तब लोगों को चैन मिला।